Website:- www.Janmarg.com
TITLE CODE:- T/RJ/2024/211
e-mail :morningjanmarg@gmail.com
निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक
जनमार्ग
लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र
श्रीगंगानगर, मंगलवार, 04.03.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● वर्ष : 1 ● अंक : 305 ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

कम हो रहा लव बेस्ट फिल्मों का जादू 4

राजस्थान हाईकोर्ट ने सीबीआई डायरेक्टर को किया तलब

» सीबीआई ने बजरी माफिया के खिलाफ जांच में असमर्थता जताई

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीबीआई डायरेक्टर को तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की अदालत ने सीबीआई डायरेक्टर को 17 मार्च को व्यक्तिगत रूप से अथवा वीसी के जरिए कोर्ट में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश प्रदेश में बजरी माफियाओं के खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्ज मुकदमों में सीबीआई द्वारा जांच करने में असमर्थता जताने पर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सीबीआई डायरेक्टर पेश होकर कोर्ट को बताएं कि अदालती आदेश की पालना में इतना समय बीत जाने के बाद भी कोई प्रगति क्यों नहीं हुई। दरअसल, हाईकोर्ट ने पिछले साल 16 अप्रैल को बूंदी सदर थाने में दर्ज मामले की जांच सीबीआई को ट्रांसफर करते हुए कहा था कि सीबीआई इस मामले के अलावा चंबल और बनास नदी क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े अन्य मामलों की जांच करें। मामले में न्यायमित्र अधिवक्ता पुनीत सिंघवी ने कहा कि जब अदालत इस मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया था। उसके बाद अदालत के सामने आया कि प्रदेश के अलग-अलग थानों में बजरी माफिया और अवैध बजरी खनन के करीब 416 मामले दर्ज हैं। सीबीआई ने इतने सारे मामलों में जांच करने में असमर्थता जता दी थी। इस पर कोर्ट ने मौखिक रूप से सीबीआई को कुछ मामलों की संयुक्त जांच करने के लिए कहा था। कोर्ट के सामने आया कि सीबीआई ने फरवरी 2025 तक केवल बूंदी सदर थाने में दर्ज मामले के अलावा किसी अन्य मामले में कोई जांच नहीं की। इस पर कोर्ट ने जब नाराजगी जताई तो सीबीआई की ओर से कहा गया कि इन मामलों की संयुक्त जांच के लिए सीबीआई के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। इसके अलावा राज्य सरकार से भी उसे अपेक्षित सहयोग नहीं मिला है। ऐसे में वह इन मामलों की संतोषजनक जांच करने में असमर्थ हैं। सीबीआई की ओर से कहा गया कि किसी भी जांच के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है कि स्थानीय पुलिस से उसे नफरी उपलब्ध करवाई जाए। स्थानीय पुलिस से भी हमें कोई सहयोग नहीं मिला। कोर्ट ने मामला सीबीआई को ट्रांसफर करते हुए कहा था कि राजस्थान में बजरी माफिया, पुलिस और खान विभाग की मिलीभगत से अवैध खनन हो रहा है। ऐसे में इन मामलों पर सरकार लगाम नहीं लगा सकती। इसलिए इस मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा था कि राज्य की पुलिस बजरी खनन से जुड़े मामलों में केवल खानापूर्ति कर रही है।

जॉर्डन सेना ने भारतीय को गोली मारी, मौत

● इजराइल में अवैध घुसपैठ करते पकड़ा

जनमार्ग न्यूज

अम्मान। इजराइल-जॉर्डन सीमा पर एक भारतीय नागरिक को जॉर्डन के सैनिकों ने गोली मार दी। मृतक केरल के थुंबा का रहने वाला एनी थॉमस गेब्रियल (47) है। घटना 10 फरवरी की है। जॉर्डन स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना की पुष्टि की और गेब्रियल के परिवार को जानकारी दे दी है। दूतावास ने कहा कि वे गेब्रियल का शव लाने की कोशिश में जुटे हैं। गेब्रियल के परिवार ने बताया कि उन्हें 1 मार्च को दूतावास का ईमेल मिला था। गेब्रियल अपने रिश्तेदार समेत 4 लोगों के साथ 5 फरवरी को जॉर्डन गया था। उसके रिश्तेदार ने मीडिया से इस घटना पर बातचीत की। रिश्तेदार ने बताया- गेब्रियल को इजराइल सीमा पार करते वक्त जॉर्डन के सैनिकों ने पकड़ा। जब भाषा नहीं समझ आई तो सैनिकों ने फायरिंग कर दी। गेब्रियल के साथ उसके रिश्तेदार एडिसन भी जॉर्डन गए थे। एडिसन ने बताया, गेब्रियल पांच साल कुवैत में काम करने के बाद केरल लौटा था। मैं और गेब्रियल 5 फरवरी को जॉर्डन जाने के लिए निकले थे। हमारा एजेंट दोस्त बिजु जलास जॉर्डन लेकर गया था। जॉर्डन पहुंचकर हमने इजराइल का वीजा पाने की कोशिश की, लेकिन टूरिस्ट वीजा के लिए 10 लोगों का ग्रुप चाहिए था, लेकिन एक ब्रिटिश नागरिक को मिलाकर हम सिर्फ चार लोग थे। चारों लोग 3 महीने के टूरिस्ट वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे।

विधानसभा में कांग्रेस विधायक ने दी गाली

● शांति धारीवाल पर कस रहे थे तंज

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। विधानसभा में गृह विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार ने गाली दे दी। श्रवण कुमार कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल पर तंज कस रहे थे, उसी दौरान फ्लो में बोलते हुए उन्होंने गाली दे दी। श्रवण कुमार ने कहा कि विधानसभा में मोबाइल नहीं चलता, तो जेल का मोबाइल क्यों चलता है? अभी धारीवाल जी भाषण (गाली) दे रहे थे। अरे, तुमने सुधार किया ही नहीं, आप ढाई साल मंत्री रहे, थैला लेकर घूमते रहे। मैं कहता था तो कहते थे,मेरे बस की बात नहीं है, बस की बात नहीं तो क्या करोगे? कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा ने जूते वाली टिप्पणी के लिए लिखित में माफी मांगी है। घोघरा ने स्पीकर वासुदेव देवनानी को चिट्ठी लिखकर टिप्पणी पर खेद जताया है। इससे पहले विधानसभा में सोमवार को आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश होने पर जमकर हंगामा हुआ था। कांग्रेस के विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। इससे पहले जमकर नारेबाजी भी की। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि विधायकों को डराने-धमकाने की साजिश की जा रही है। स्पीकर (विधानसभा अध्यक्ष) वासुदेव देवनानी ने कहा कि विशेषाधिकार समिति इस पर फैसला करेगी।

साले की शादी से एक दिन पहले जीजा ने जहर खाया, मौत

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। अपने साले की शादी से एक दिन पहले जीजा ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। मृतक युवक चार बच्चों का पिता था उसने आज सुबह श्रीगंगानगर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दम तोड़ा। पुलिस के अनुसार मृतक युवक बुधसिंह रायसिख (32) जिले के सीमावर्ती गांव खमीसा का निवासी है। वह रावला के नजदीक एक गांव में अपने ससुराल गया हुआ था। उसके साले की आज सोमवार को शादी है। बुधसिंह ने परसों शनिवार रात को किसी समय शराब के नशे में किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। पता चलने पर उसे परिवार वाले रावला के सरकारी अस्पताल में ले गए। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने बीकानेर के लिए रेफर कर दिया लेकिन परिवार वाले उसे कल शाम रायसिंहनगर के सरकारी अस्पताल में ले आए।

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा से निकाला

नोएडा (जनमार्ग न्यूज)। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित कर दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बसपा की आल-इंडिया की बैठक में कल आकाश आनंद को पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था। उसे पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लंबी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है। वह उसके पछतावे और राजनीतिक मैच्योरिटी का नहीं, बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी और गैर-मिशनरी है।

रेप-ब्लैकमेल कांड के आरोपी को वकीलों ने पीटा

● थप्पड़-घूंसे बरसाए, पुलिस से धक्का-मुक्की

जनमार्ग न्यूज

अजमेर। ब्यावर के बिजयनगर रेप-ब्लैकमेल कांड मामले में गिरफ्तार पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी पर पेशी के दौरान वकीलों ने हमला कर दिया। वकीलों ने पुलिस की मौजूदगी में आरोपी पर थप्पड़-घूंसे बरसाए। बड़ी मुश्किल से पुलिस आरोपी को वकीलों से बचाकर ले जा पाई। अजमेर पॉक्सो कोर्ट ने पूर्व पार्षद को 11 मार्च तक जेल भेजने का आदेश दिया। इससे पहले 9 आरोपी जेल में है। वहीं 3 आरोपी बाल सुधार गृह में है। मामले में आरोपियों का सहयोग करने पर पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दो बार कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया था। आज रिमांड अवधि खत्म होने पर वापस अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। बिजयनगर एसएचओ के नेतृत्व में आरोपी को कोर्ट लाया गया था। आरोपी को जैसे ही पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची वकीलों का इकट्ठा होना शुरू हो गया था। वकीलों को इकट्ठा होते देखकर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता बुलाया था। पेशी के बाद जैसे ही आरोपी पूर्व पार्षद को बाहर लाया गया, वकीलों ने उस पर हमला कर दिया। बीच-बचाव में वकीलों की पुलिस से धक्का-मुक्की हो गई।

स्कूलों में कुक कम हैल्पर का बढ़ेगा 15 फीसदी मानदेय

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के साथ कार्यवाही शुरू हुई। कार्यवाही की शुरुआत में विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सरकारी स्कूलों में कुक कम हेल्पर को न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 की धारा 27 के तहत अनुसूचित नियोजन में सम्मिलित किए जाने को लेकर पूछा सवाल। जिसके जवाब में मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि 1 अप्रैल से इनके मानदेय में 15 फीसदी की वृद्धि की जाएगी। विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सरकारी स्कूलों में कार्यरत कुक कम हेल्पर्स की कम सैलरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन में कहा कि 65000 सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील बनाने वालों को मात्र 3000 रुपये प्रति माह दिया जा रहा है।

मोहाली में फर्जी आईएएस अधिकारी गिरफ्तार

● राजस्थान का रहने वाला है आरोपी

● नौकरी लगवाने के नाम पर करता था ठगी

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली में पुलिस ने एक फर्जी आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार किया है, जो पूरी तरह से असली अधिकारी की तरह इलाके में घूमता था। वह अपनी कार पर बाकायदा भारत सरकार लिखी हुई प्लेट लगाकर चलता था। आरोपी नौकरी दिलाने के बहाने लोगों से ठगी करता था। उसकी पहचान राजस्थान निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। मोहाली के थाना फेज-1 की पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को पता चला है कि वह दो लोगों को नौकरी दिलाने के बहाने मोहाली लाया था। जांच में सामने आया है कि आरोपी बाहरी राज्यों से लोगों को नौकरी का झांसा देकर मोहाली लाता था और महंगे होटलों में ठहरता था। वह लोगों के सामने अपने प्रभावशाली संपर्कों का दिखावा करता था, जिससे कोई उस पर संदेह नहीं करता था। लेकिन इस बार, उसके व्यवहार ने उसे फंसा दिया। बताया जा रहा है कि जिस होटल में वह ठहरा था, वहां वह कुछ लोगों को लेकर आया था। इसी दौरान किसी बात पर उसकी उनसे बहसबाजी हो गई। होटल के कर्मचारियों को उस पर शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी बेहद शातिर है और पूरी तैयारी के साथ ठगी करता था। आरोपी दिव्यांग है और उसे चलने-फिरने में दिक्कत होती है। उसकी उम्र भी करीब 30 से 35 साल के बीच है। इसके अलावा, वह हिंदी भाषा में बातचीत करता है। जांच में यह भी सामने आया है कि जिस कार (आरजे-60-सीए-5562) को वह इस्तेमाल कर रहा था, वह उसकी अपनी नहीं थी, बल्कि किसी अन्य व्यक्ति की थी।

महाकुंभ वाले आईआईटीयन बाबा को जयपुर पुलिस ने पकड़ा

● सुसाइड की धमकी दी थी, गांजा मिला

● कुछ देर में जमानत पर छोड़ा

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। महाकुंभ से चर्चा में आए आईआईटीयन बाबा अभय सिंह जयपुर पुलिस ने हिरासत में लिया। हालांकि कुछ देर बाद उसको जमानत पर रिहा कर दिया। पुलिस को उसके पास से गांजा मिला है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, अभय सिंह ने सोशल मीडिया पर सुसाइड करने की धमकी दी थी। पुलिस ने उसकी लोकेशन ट्रेस करके जयपुर के एक होटल से उसे पकड़ा और पूछताछ की। इस दौरान उसने नशे में फोन करने की बात कही। पूरे मामले पर आईआईटी बाबा ने कहा कि थोड़ा सा प्रसाद (गांजा) मिला है। किसी ने बोल दिया था बाबा सुसाइड करने वाले हैं। कोई अजीब से केस का बहाना लेकर आए थे। मैंने उनसे कहा अब इस प्रसाद पर केस करोगे तो कुंभ में इतने सारे लोग पीते हैं, सभी को गिरफ्तार करो। भारत के अंदर तो ये अंडरस्टुड है। एनडीपीएस की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण जयपुर दिगंत आनंद ने बताया- शिप्रापथ थाना पुलिस को पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि होटल पार्क क्लासिक में अभय सिंह नाम का एक व्यक्ति सुसाइड करने का प्रयास कर रहा है।

मोदी सरकार की गुडबुक में राजस्थान के 41 आईएएस-आईपीएस

● कुलदीप रांका, टी रविकांत, दिनेश एमएन सहित कई अधिकारी दिल्ली जाने की तैयारी में

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में राजस्थान कैडर के आईएएस अफसरों का केंद्र में दबदबा बढ़ रहा है। संजय मल्होत्रा को आरबीआई का गवर्नर बनाने के बाद अहम पदों पर राजस्थान कैडर के आईएएस-आईपीएस अफसरों को नियुक्ति मिल रही है। अभिमन्यु कुमार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निजी सचिव के तौर पर पूरा कामकाज देख रहे हैं। तन्मय कुमार, रजत कुमार मिश्रा, रोली सिंह से लेकर सिद्धार्थ महाजन जैसे कई अफसर केंद्र की 'गुड लिस्ट' में शुमार हैं। इस बीच प्रदेश के दर्जनभर आईएएस-आईपीएस के भी दिल्ली में जाने चर्चाएं जोरों पर हैं। जानकारों का कहना है कि मोदी सरकार तीसरे कार्यकाल में अपने प्रदर्शन को लेकर काफी सतर्क दिख रही है। ऐसे में अनुभवी और तेज तर्रार आईएएस अफसरों की नियुक्ति कर रही है। राजस्थान कैडर के एक दर्जन आईएएस-आईपीएस सेंट्रल डेपुटेशन पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रिंसिपल सेक्रेटरी रहे कुलदीप रांका, कृष्ण कुणाल, टी. रविकांत, प्रवीण शर्मा की दिल्ली जाने की चर्चा है। प्रदेश के चर्चित एवं तेजतर्रार आईपीएस दिनेश एमएन भी दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि मोदी सरकार उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। मुख्य सचिव सुधांश पंत के दिल्ली जाने की चर्चाएं थीं। जानकारों के मुताबिक फिलहाल दिल्ली जाने का विचार उन्होंने त्याग दिया है। मुख्य सचिव सुधांश पंत गहलोत सरकार में भी सेंट्रल डेपुटेशन से अपने मूल कैडर राजस्थान आए थे, लेकिन कुछ समय काम करने के बाद वापस दिल्ली चले गए थे। केंद्र सरकार ने जुलाई 2024 में कैडर रिव्यू के बाद राजस्थान कैडर की स्ट्रेंथ 313 से बढ़ाकर 323 आईएएस कर दी है। इससे प्रदेश में आईएएस के 19 पद बढ़ गए। फिलहाल राजस्थान में 234 आईएएस काम कर रहे हैं, जबकि 17 अफसर सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली में तैनात हैं। 206 में से 171 आईपीएस राजस्थान में तैनात हैं। 24 आईपीएस अफसर केंद्र में प्रतिनियुक्ति के तहत दिल्ली में विभिन्न विभागों में तैनात हैं।

पंजाब सीएम से किसानों की बैठक रही बेनतीजा

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच करीब दो घंटे तक चली बैठक समाप्त हो गई। बैठक में किसी भी मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई। किसान नेता जोगिंदर सिंह उगराहां ने घोषणा की कि किसान 5 मार्च को चंडीगढ़ में प्रदर्शन करेंगे। किसानों का आरोप है कि मुख्यमंत्री गुस्से में आकर बैठक बीच में ही छोड़कर चले गए। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने बताया कि बैठक में केवल आधे मेमोरेंडम पर चर्चा हुई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी आंख में संक्रमण (इन्फेक्शन) है, उनकी डॉक्टर से अप्वाइंटमेंट है। इस कारण उन्हें जाना होगा। इसके बाद उन्होंने किसानों से पूछा कि वे 5 तारीख को क्या करने वाले हैं।

सम्पादकीय

जोखिम का पहाड़?

उत्तराखंड में हिमस्खलन ने एक बार फिर तबाही मचाई है। इस पहाड़ी क्षेत्र में बर्फ की चट्टानें खिसकना कोई नई बात नहीं है, लेकिन कुछ समय के अंतराल में बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं डराती हैं। लगभग हर वर्ष होने वाले हिमस्खलन में कई लोगों की मौत हो जाती है। पर्वतारोहियों से लेकर आम नागरिक और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर आए दिन हिमस्खलन की चपेट में आते रहे हैं। उन्हें बचाने का हरसंभव प्रयास होता है, लेकिन लापता हुए लोगों का कई बार पता नहीं चल पाता। हालांकि हिमालयी क्षेत्र में बर्फ की भारी चट्टानें खिसकने की घटनाएं होती रही हैं, मगर पिछले एक दशक में इसकी आवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, उस पर अब सोचने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि बदरीनाथ से तीन किलोमीटर दूर माणा गांव में हिमस्खलन से मची तबाही से लोग एक बार फिर सहम उठे हैं। खबरों के मुताबिक, शुक्रवार को हुई घटना में सत्तावन लोग बर्फ के नीचे दब गए थे। इनमें से ज्यादातर लोगों को किसी तरह बाहर निकाल लिया गया। यों हिमस्खलन की चेतावनी एक दिन पहले ही जारी कर देने की बात कही गई है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह सूचना उन निर्माण मजदूरों तक नहीं पहुंच पाई या फिर किसी स्तर पर इस मामले में लापरवाही बरती गई। अन्यथा हादसे में लोगों को जोखिम से बचाया जा सकता था। दरअसल, पिछले कुछ समय से हिमस्खलन की घटनाओं में ब?ोतरी की एक वजह प्राकृतिक है, तो दूसरी वजह असंतुलित विकास और पर्यावरण की उपेक्षा। उपभोक्तावादी संस्कृति को प्रोत्साहित कर और उसे अपना कर जिस तरह वैश्विक तापमान को बढ़ाया गया है, उससे न केवल जल-जंगल और जमीन पर प्रभाव पड़ा है, बल्कि समुद्र तथा पहाड़ भी इससे अछूते नहीं रहे। प्रकृति की प्रतिक्रिया हम जलवायु परिवर्तन के रूप में देख सकते हैं। कहीं सूखा तो कहीं बाढ़ और कहीं जंगलों में आग से लेकर हिमस्खलन की बढ़ती घटनाएं इसी का संकेत दे रही हैं। हिमस्खलन जैसी घटनाओं के प्रति सावधानी और जनजागरूकता से कुछ हद तक जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। मगर पहाड़ी इलाकों में जिस तरह मनुष्यों का बेतहाशा हस्तक्षेप बढ़ा है, उसमें सड़क से लेकर अन्य अनियोजित निर्माण कार्यों के गंभीर नतीजे अब सामने आ रहे हैं।

ट्रम्प के रवैये से 'भरोसे' को झटका

अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना, इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन या तो अपनी आधी खनिज संपदा उसे देने का सौदा करे या अपनी जमीन का करीब पांचवां भाग छोड़ दे, वहीं 'नाटो' का सदस्य बनने या किसी दूसरी तरह की सुरक्षा गारंटी हासिल करने की बात तो भूल ही जाए। फरवरी के अंतिम दिन अमेरिका दौरे के दौरान इससे इनकार पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं है। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया गया।

ट्रंप ने इससे पहले कनाडा को अमेरिका का 51वां सूबा बनाने की बात कही थी। ग्रीनलैंड को खरीदने और गाजा को फलस्तीनियों से खाली करवाने की बात भी वे कह चुके हैं। यूरोप को वे यह कहकर रोने पर मजबूर कर रहे हैं कि उन्हें बे-लगाम पुतिन का सामना अपने ही बूते करना पड़ेगा। अब सवाल यह नहीं है कि ट्रम्प इन धमकियों पर अमल करेंगे या नहीं। मुद्दे की बात यह है कि कोई भी संप्रभुता-संपन्न देश ऐसी धमकियों को महज लफ्फाजी मानकर खारिज नहीं कर सकता। यहां भरोसा तोड़ा गया है। अगर ट्रम्प 'सुरक्षा शुल्क', खनिज या जमीन की मांग कर सकते हैं तो आगे यह भी मांग की जा सकती है कि हमारे गुलाम बन जाओ या चीन या रूस के रहम पर रहो।

हो सकता है ट्रम्प ग्रीनलैंड ले जाएं, शी जिनपिंग ताइवान ले उड़ें और पुतिन बाल्टिक्स का कुछ हिस्सा दबोच लें। इससे पहले भी डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने कई बार अंतरराष्ट्रीय नियमों और कूटनीतिक परंपराओं की अनदेखी की है। चाहे वह जलवायु समझौते से बाहर होना हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकना हो, या फिर ईरान के साथ परमाणु समझौते को तोड़ना, इन सभी फैसलों में शक्ति प्रदर्शन और आत्मकेंद्रित नीतियों की झलक साफ दिखाई दी। ट्रम्प का रवैया बताता है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता और मूल्यों की जगह सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

यह स्थिति उस कहावत को चरितार्थ करती है- 'जिसके पास लाठी, उसकी भैंस।' अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम पर नजर रखने वाले जानते हैं कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन थे, तब यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से दी जा रही मदद लोकतंत्र को बचाने की जंग थी। उन्हें अहसास था कि अगर पुतिन की मनमानी को नहीं रोका तो वह विस्तारवादी नीतियों पर आगे बढ़ते रहेंगे। आपको बता दें कि पुतिन के बारे में माना जाता रहा है कि वे सोवियत संघ के दौर के साम्राज्यवाद को फिर से स्थापित करना चाहते हैं। पोलैंड, स्लोवाकिया, लातविया, एस्टोनिया और मोल्दोवा पुतिन के निशाने पर हैं। उन्होंने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। 2022 के बाद युद्ध में भी पुतिन यूक्रेन के कई क्षेत्रों पर कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। यूक्रेन के सहयोगी यूरोपीय देश चाहते हैं कि युद्ध पुतिन की शर्तों पर खत्म नहीं करना चाहिए।

युद्ध खत्म करवाने की एवज में रूसी राष्ट्रपति से भी रियायतें हासिल करनी चाहिए। ट्रम्प से मिलने के बाद जेलेंस्की ने भी कहा कि यूक्रेन तब तक रूस के साथ पीस डील में शामिल नहीं होगा जब तक कि उसे सुरक्षा की पूरी गारंटी नहीं मिल जाती। अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में जिस प्रकार 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत मनमानी और शक्ति प्रदर्शन को प्राथमिकता दी गई, उसने वैश्विक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। उनकी विदेश नीति, व्यापार समझौतों से लेकर सैन्य हस्तक्षेप तक, एक ही संदेश देती है- 'जिसके पास शक्ति है, वही नियम तय करेगा।' यह दृष्टिकोण न केवल अमेरिका की वैश्विक छवि को बदल रहा है, बल्कि अन्य महाशक्तियों को भी इसी राह पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे दुनिया में अराजकता की आशंका बढ़ रही है।

हो सकता है चीन ताइवान को अपने में मिलाने के लिए जंग छेड़ दे। हाल ही में शी चिनफिंग ने कहा भी है कि ताइवान मसले को वह आने वाली पीढ़ियों की खातिर नहीं छोड़ना चाहते यानी वह अपने कार्यकाल में उसका विलय चीन में करना चाहते हैं। आपको बता दें कि 1994 में यूक्रेन ने रूस, यूरोप और अमेरिका से सुरक्षा की गारंटी मिलने के बाद परमाणु हथियारों के अपने भंडार को त्याग दिया था। आज यूक्रेन के हालत देखकर अब कौन ऐसे शांति प्रस्तावों पर भरोसा करने का साहस करेगा। ट्रम्प साफ़ कह रहे हैं कि किसी की भी सुरक्षा अमेरिका का सिरदर्द नहीं है। ऐसे में क्या होगा जब ट्रम्प जापान से कहेंगे कि मुझे ओकिनावा दे दो या ऑस्ट्रेलिया से कहें कि अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की कीमत के रूप में अपने खनिज संसाधन का पांचवां हिस्सा हमें दे दो। ऐसी ही आशंकाओं को देखते हुए यूरोप के अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सभी मित्र देश उससे मिल रही सुरक्षा गारंटियों की समीक्षा कर सकते हैं। ट्रम्प ने परमाणु अप्रसार के विचार की हत्या कर दी है। परमाणु हथियार फिर से युद्ध-प्रतिरोधक बन गए हैं। आज उत्तरी कोरिया के किम जोंग उन यूक्रेन और यूरोप की हालत पर हंस रहे होंगे और सोच रहे होंगे कि अगर उन्होंने अमेरिकी अतिक्रमण के जवाब में दक्षिण कोरिया या जापान पर परमाणु हमला करने की चेतावनी न दी होती तो क्या अमेरिका उन्हें सलामत रहने देता? ईरान इस सब पर नजर रखे हुए है। अगर पाकिस्तान उन्हें बना सकता है तो कोई भी बना सकता है।

मध्य-पूर्व में ईरान, सऊदी अरब और क्या पता दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, अजरबैजान और मिस्र भी आज के हालत में इनके बारे में सोच रहे हों। कभी परमाणु अप्रसार की पक्षधर अमेरिकी लॉबी भारत पर दबाव बना रही थी कि वह परमाणु हथियार न बनाए। अमेरिका से कई उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आए, यह समझाने के लिए कि हम व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि पर दस्तखत कर दें। दबाव का यह सिलसिला नेहरू से लेकर तब तक चला, जब तक कि इंदिरा गांधी ने 1974 में परमाणु परीक्षण और इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण-2 करके इसे खत्म नहीं कर दिया। हमारे देश में भी शांतिवादियों ने वैचारिक या नैतिक आधार पर परमाणु बम बनाने पर विरोध किया था। तब हमारे नेता अडिग रहे। शायद इसके पीछे उनकी यह दूरदर्शिता थी कि एक दिन ऐसा आएगा जब सुरक्षा की कोई गारंटी काम नहीं आएगी। यदि वैश्विक राजनीति में शक्ति और स्वार्थ को ही नीति बनाने की प्रवृत्ति बढ़ती रही, तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अस्थिरता और अराजकता का खतरा और बढ़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं पहले से ही कमजोर पड़ रही हैं और यदि बड़े देश अपनी मनमानी पर उतर आए, तो छोटे और विकासशील देशों के लिए संकट उत्पन्न हो जाएगा। इसके अलावा, यदि महाशक्तियां अपने आर्थिक और सैन्य बल के आधार पर नीतियां लागू करेंगी, तो वैश्विक शांति खतरे में पड़ सकती है और नए संघर्षों की संभावना बढ़ सकती है। इस चुनौतीपूर्ण समय में संतुलन और नैतिकता आधारित कूटनीति की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

परमाणु हथियार नहीं होने से यूक्रेन लाचार

खुद की शक्ति नहीं होने की लाचारी मनुष्य या किसी देश को कहां लाकर खड़ा कर देती है, इसका जीता-जागता उदाहरण यूक्रेन और उसके राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की हैं। यूक्रेन के जब वे राष्ट्रपति बने थे, तब वे हास्य कलाकार थे, उन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं था। इसी का परिणाम रहा है कि वे आज दुनिया की दो महाशक्तियों अमेरिका और रूस के बीच असहाय बने हास्यास्पद स्थिति से दो-चार हो रहे हैं। यूक्रेन का स्वाभिमान टूट चुका है। उसे अमेरिका युद्ध समाप्त करने की धमकी के साथ दुर्लभ खनिज संपदा छीन लेने के लिए भी मजबूर कर रहा है। बावजूद उसे सुरक्षा की कोई गारंटी तो दी ही नहीं जा रही, बल्कि रूस और चीन की दया पर जीते रहने की परिस्थितियां निर्मित की जा रही हैं। यह स्थिति किसी भी संप्रभुता वाले देश के लिए परतंत्रता स्वीकार लेने जैसी है। इस स्थिति को यूक्रेन इसलिए विवश है, क्योंकि उसने सोवियत संघ के विघटन के बाद 1994 में परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्हें नष्ट कर देने की बड़ी भूल की थी। आज वह परमाणु निरस्त्रीकरण के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर है। जबकि भारत ने परमाणु परीक्षण से जुड़ी इस संधि पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। भारत की ओट लेकर पाकिस्तान ने भी यही रुख अपनाया था। अगस्त-1999 में भारत सरकार ने इस सिद्धांत का एक प्रस्ताव भी जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 'परमाणु हथियार केवल निरोध के लिए हैं और भारत केवल प्रतिशोध की नीति अपनाएगा।' अर्थात भारत कभी स्वयं आगे बढ़कर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। आईसीएएन संगठन अंतरराष्ट्रीय संधि के माध्यम से दुनिया को परमाणु हथियार मुक्त बनाने के प्रयासों में जुटा है। संगठन के प्रयासों पर सहमति जताते हुए 122 देशों ने परमाणु हथियारों को प्रतिबंधित करने की संधि भी कर ली है। संयुक्त राष्ट्र संघ की जब 1945 में स्थापना हुई थी, तब उसका मुख्य उद्देश्य विश्व फलक पर परमाणु निरस्त्रीकरण ही था, लेकिन इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस वैश्विक संस्था के अस्तित्व में आने के बाद से ही परमाणु हथियार रखने वाले देशों की संख्या तो बढ़ ही रही है, परमाणु और हाइड्रोजन बमों की संख्या भी बढ़ रही है। जो देश परमाणु संपन्न हैं, वे अब तक परमाणु व अप्रसार संधि (एनपीटी) पर दस्तखत करने को तैयार नहीं हुए हैं। इन देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर-कोरिया शामिल हैं। यदि ये देश इन हथियारों को चिंगारी दिखा दें तो पूरा ब्रह्माण्ड तहस-नहस हो जाएगा। आईसीएएन के प्रयास से 122 देशों ने संयुक्त राष्ट्र की परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए हैं। इस लिहाज से इस संस्था का परमाणु युद्ध संबंधी खतरा टालने में अहम भूमिका सामने आई है। हालांकि परमाणु संपन्न देशों द्वारा संधि पर दस्तखत नहीं करने के कारण यह संकट यथावत बना हुआ है। इसी परमाणु शक्ति को स्वाहा कर देने के कारण यूक्रेन ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन जैसे निष्ठुर पाटों के बीच पिस रहा है। ट्रंप यूक्रेन पर युद्ध समाप्ति से पहले बड़ा दुर्लभ खनिज संपदा का सौदा करने की तैयारी में है। यह सौदा अमेरिका द्वारा यूक्रेन को दी गई अमेरिकी सैन्य मदद के बदले में किया जा रहा है। जबकि युद्ध थोपते वक्त ऐसी कोई शर्त यूक्रेन के समक्ष अमेरिका ने नहीं रखी थी। जेलेंस्की ने कहा भी है कि अमेरिका उन पर 500 अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है, लेकिन भविष्य में रूस से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं दी जा रही है। यदि जेलेंस्की इस सौदे पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो भविष्य में उन्हें किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद अमेरिका द्वारा नहीं दी जाएगी। हालांकि जेलेंस्की ने यह जरूर भरोसा दिया था कि यदि यूक्रेन में शांति स्थापना होती है तो वे नाटो देशों की सदस्यता मिलने पर राष्ट्रपति पद छोड़ देंगे। इधर इस सौदेबाजी के परिप्रेक्ष्य में पुतिन ने भी अमेरिकी कंपनियों को रूस के साथ व्यापारिक समझौतों के लिए आमंत्रित किया है। पुतिन ने कहा है कि यदि अमेरिकी कंपनियां चाहें तो रूस ने यूक्रेन की जिस भूमि पर कब्जा किया है, उस क्षेत्र में खनिज संपदा का दोहन कर सकती हैं। साथ ही रूस ने साइबेरिया क्षेत्र में भी खनिज संपदा के उत्खनन के लिए भी कहा है। इस क्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ खनिजों की उपलब्धता है। एक तरह से रूस ने अमेरिका के साथ मिलकर खनिज व्यापार की जो लकीर खींच दी है, उससे यूक्रेन की स्थिति उस लाचारी की अवस्था में आ गई है, जहां वह अपना अभिमान, अखंडता और संप्रभुता की गरिमा बचाए रखने की स्थिति में नहीं रह गया है। यदि यूक्रेन ने परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत नहीं किए होते तो वह इस लाचारी को प्राप्त नहीं हुआ होता।

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है?

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

जीवन में सब ईश्वर की दया ही है

एक बार एक अमीर सेठ के यहां एक नौकर काम करता था, अमीर सेठ अपने नौकर से तो बहुत खुश था, लेकिन जब भी कोई कटु अनुभव होता तो वह भगवान को अनाप शनाप कहता और बहुत कोसता था। एक दिन वह अमीर सेठ ककड़ी खा रहा था, संयोग से वह ककड़ी कच्ची और कड़वी थी। सेठ ने वह ककड़ी अपने नौकर को दे दी। नौकर ने उसे बड़े चाव से खाया जैसे वह बहुत स्वादिष्ट हो। अमीर सेठ ने पूछाः ककड़ी तो बहुत कड़वी थी, भला तुम ऐसे कैसे खा गये? नौकर बोलाः आप मेरे मालिक है, रोज ही स्वादिष्ट भोजन देते है, अगर एक दिन कुछ बेस्वाद या कड़वा भी दे दिया तो उसे स्वीकार करने में भला क्या हर्ज है? अमीर सेठ अपनी भूल समझ गया, अगर ईश्वर ने इतनी सुख-सम्पदाएं दी है, और कभी कोई कटु अनुदान या सामान्य मुसीबत दे भी दे तो उसकी सद्भावना पर संदेह करना ठीक नहीं। असल में यदि हम समझ सकें तो जीवन में जो कुछ भी होता है, सब ईश्वर की दया ही है। ईश्वर जो करता है अच्छे के लिए ही करता है। हम केवल जीवन में अच्छे व उजले पक्ष को ही देखते हैं। हमें सुख, आराम पसंद है, पर दुख व कष्ट के क्षण आते ही हमारा मन विचलित होने लगता है। जीवन में सुख और दुख दोनों ही पल होते हैं।

एक स्क्रैच से निकलते हैं 23 लाख माइक्रोप्लास्टिक

आप अपने घर में नॉन स्टिक पैन यूज करते होंगे। उसे धुलते समय स्क्रैच भी आ गए होंगे। इसके बावजूद आप उसका इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर यह सच है तो ये स्टडी आपके लिए ही है। साल 2022 में साइंस डायरेक्ट में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अगर नॉन स्टिक पैन में सिर्फ एक 5 सेंटीमीटर का स्क्रैच है तो इससे 23 लाख माइक्रोप्लास्टिक रिलीज होते हैं। ये माइक्रोप्लास्टिक भोजन में मिलकर हमारे पेट में जाते हैं और 10 से ज्यादा गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। अमेरिका में लोग हमसे कई साल पहले से नॉन स्टिक पैन यूज कर रहे हैं। कई स्टडीज में लगातार यह सामने आया कि नॉन स्टिक पैन इस्तेमाल करने से गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ रहा है तो साल 2020 में एक स्टडी की गई। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश इस स्टडी में पता चला कि अमेरिका के 99 प्रतिशत लोगों के खून में कम-से-कम डिटेक्ट करने लायक ऐसे टॉक्सिन्स मौजूद हैं, जो नॉन स्टिक पैन में स्क्रैच लगने के बाद निकलते हैं। चिंता का विषय ये है कि पहले विकसित देशों के किचेन में आया नॉन स्टिक पैन अब भारत समेत कई विकासशील देशों में भी खूब इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए भारत में भी स्क्रैच्ड नॉन स्टिक पैन के कारण होने वाली बीमारियों का जोखिम बढ़ रहा है। नॉन-स्टिक पैन पर स्क्रैच आने के कारण रिलीज हुए केमिकल्स से थायरॉइड की समस्या और हार्ट डिजीज हो सकती है। इसके कारण लिवर भी डैमेज हो सकता है। इससे कई अन्य बीमारियों का जोखिम भी बढ़ सकता है। नॉन-स्टिक पैन पर स्क्रैच आने से इसमें मौजूद पीएफएएस और पीटीएफई जैसे जहरीले केमिकल्स रिलीज होते हैं। ये पैन में कुछ भी पकाते समय उसमें मिल जाते हैं और हमारे पेट में चले जाते हैं। ये केमिकल्स और माइक्रोप्लास्टिक ब्लड स्ट्रीम में जाकर ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस बढ़ाते हैं और डीएनए को डिस्टर्ब करते हैं। इससे

लिवर, किडनी और टेस्टिकुलर कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है। स्क्रैच्ड नॉन स्टिक पैन से निकला पीएफएएस शरीर में लिपिड मेटाबॉलिज्म (फैट पचाने की प्रक्रिया) को डिस्टर्ब करता है। इससे खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल बढ़ता है। यह आर्टरीज में में जमा होने लगता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। साल 2018 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी में पता चला कि जिन लोगों के ब्लड में पीएफएएस केमिकल का लेवल ज्यादा होता है, उन्हें हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा दूसरों की अपेक्षा दोगुना होता है। स्क्रैच्ड नॉन स्टिक पैन से निकले टॉक्सिन्स हमारे भोजन के साथ पेट में पहुंचते हैं। लिवर भोजन पचाने के अलावा शरीर को डिटॉक्स करके टॉक्सिन्स भी बाहर निकालता है। इन खतरनाक टॉक्सिन्स को डिटॉक्स करने में लिवर को बहुत मुश्किल होती है और यह डैमेज होने लगता है। स्क्रैच्ड नॉन स्टिक पैन से निकले केमिकल्स शरीर में जाकर थायरॉइड ग्लैंड का काम करने का तरीका डिस्टर्ब कर सकते हैं। इससे हाइपोथायरायडिज्म, हाइपरथायरायडिज्म और ऑटोइम्यून थायरॉइड डिजीज हो सकती हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक, जिन लोगों के शरीर में पीएफएएस की मात्रा ज्यादा होती है, उनमें हॉर्मोनल असंतुलन की आशंका 50 प्रतिशत अधिक होती है। साल 2020 में जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रोनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पीएफएएस जैसे केमिकल्स के कारण लोगों को हाशिमोटो थायरॉयडिटिस की आशंका बढ़ जाती है। यह एक ऑटो इम्यून थायरॉइड डिजीज है। पीएफएएस केमिकल एक एंडोक्राइन डिसरप्टर है, यानी यह शरीर में एस्ट्रोजेन और प्रोजेस्ट्रॉन हॉर्मोन का संतुलन बिगाड़ सकता है। इससे इनफर्टिलिटी की भी समस्या हो सकती है। साल 2021 में 'एनवायर्नमेंटल हेल्थ पर्सपेक्टिव्स' जर्नल में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पीएफएएस का लेवल बढ़ने से महिलाओं में प्रजनन क्षमता 30-40 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसके अलावा प्रेग्नेंसी के दौरान भी समस्याएं हो सकती हैं। आमतौर पर स्क्रैच्ड पैन इस्तेमाल करने से तुरंत कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं होती है। इसे एक या दो बार इस्तेमाल करने से नुकसान तो होता है, पर कोई गंभीर बीमारी नहीं होती है। अगर लंबे समय तक इसे इस्तेमाल कर रहे हैं तो जहरीले केमिकल शरीर में जमा होते रहते हैं और इसके कारण धीरे-धीरे स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। स्टेनलेस स्टील से बने बर्तन इस्तेमाल कर सकते हैं। इन्हें इस्तेमाल करने में भी नॉन स्टिक बर्तनों की तरह सहूलियत होती है। कास्ट आयरन अगर ठीक से बर्तन के रूप में ढाला जाए तो नॉन-स्टिक बर्तन की तरह काम करता है। सेरेमिक कोटेड कुकवेयर ले सकते हैं। इनके फीचर्स भी नॉन स्टिक बर्तन जैसे होते हैं। एनोडाइज्ड एल्युमिनियम से बने बर्तन भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर पैन में कोई स्क्रैच नहीं है तो इसे सावधानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं अगर इसमें कोई स्क्रैच आ गया है या पैन पुराना हो चुका है तो इसे बदलना ही बेहतर है। जानबूझकर समस्याओं को बुलावा नहीं देना चाहिए। अगर अभी तक नॉन स्टिक पैन नहीं इस्तेमाल किया है तो बेहतर है कि मेटल यानी धातु से बने बर्तन ही इस्तेमाल करें। एक बार नॉन-स्टिक कोटिंग में स्क्रैच आने के बाद उसे पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता है। कुछ कंपनियां रिफिनिशिंग सर्विस देती हैं। हालांकि, भारत में अभी यह बहुत महंगा है और सभी पैन में यह कराना संभव भी नहीं है। इसलिए अगर स्क्रैच आ गया है तो इस बार मेटल से बना बर्तन ही घर लाएं।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 50 वाहन मशीनरी जब्त

❑ उदयपुर, जयपुर, भरतपुर, बारां, नागौर,घड़साना में की कार्यवाही ❑ विभिन्न स्थानों पर सात एफआईआर दर्ज

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। माइंस विभाग ने राज्य के उदयपुर, जयपुर, भरतपुर, बारां, नागौर, घड़साना, सूरतगढ़ सहित कई स्थानों पर अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए गत तीन-चार दिनों में ही 7 एफआईआर सहित करीब 50 वाहन मशीनरी जब्त कर सबंधित पुलिस थानों के सुपुर्द की है। निदेषक माइंस दीपक तंवर ने बताया कि राज्य सरकार के अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को देखते हुए विशेष टीमों का गठन करके कार्रवाई की जा रही है वहीं फील्ड अधिकारियों को रात्रिकालीन चैकिंग सहित अवैध खनन गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस पीआर आमेटा मुख्यालय स्तर पर मोनेट रिंग कर रहे हैं। अतिरिक्त निदेशक माइंस मुख्यालय महेश माथुर ने बताया कि उदयपुर टीम ने इस दौरान अवैध खनन का एक, अवैध परिवहन क 17 और अवैध खनिज भण्डारण के प्रकरण दर्ज किये हैं। उदयपुर टीम द्वारा 849 टन से अधिक खनिज जब्त करने के साथ ही 4 लाख 23 हजार की शास्ति लगाई गई है। एसएमई जयपुर एनएस शक्तावत के नेतृत्व में एमई श्याम कापड़ी की टीम ने अवैध खनन के 3 और अवैध परिवहन के 11 सहित कुल 14 प्रकरणों में 4 जेसीबी आदि वाहन उपकरण, 9 ट्रेक्टर, 9 डंपर आदि अन्य वाहन सहित कुल 22 वाहन मशीनरी जब्त कर संबंधित थानों को सुपुर्द की गई है। 2 लाख 20 हजार रु. का जुर्माना वसूला जा चुका है वहीं 240 टन खनिज जब्त किया गया है।

एसएमई अजमेर जय गुरुबख्सानी के मार्गदर्शन में एमई नागौर जय गोदारा ने खान, राजस्व, पुलिस विभाग से समन्वय बनाते हुए अवैध खनिज परिवहन करते हुए दो डंपर खनिज बजरी, 2 डंपर सिलिका सेण्ड और 3 ट्रेक्टर ट्राली खनिज मेसेनरी स्टोन का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया गया है। एमई जय गोदारा टीम द्वारा दो एफआईआर पुलिस थाना निम्बी जोधा और एक पुलिस थाना खुनखुना में सहित कुल 5 एफआईआर दर्ज कराई गई है। 52800 रु. की जुर्माना राशि भी वसूली गई है।

बीकानेर जोन में खनिज बजरी के ओवरलोडिंग की शिकायतों को देखते हुए विभाग की सतर्कता टीम द्वारा घडसाना सूरतगढ़ में औचक कार्रवाई करते हुए 16 वाहनों को जब्त किया गया है। यहां 20 टन की लोडिंग दिखा कर 60 से 70 टन का अवैध परिवहन किया जा रहा था। विभाग द्वारा सभी 16 वाहनों को जब्त करने के साथ ही एंपैनल्ड तुलायंत्रों व कम रवन्ना काटकर परिवहन का प्रकरण बनाया गया है। इसके साथ ही सिलिका सेण्ड का निर्गमन बताते हुए बजरी के निर्गमन की शिकायत को देखते हुए सेंपल जांच की जा रही है वहीं परिवहन और जीएसटी विभाग को भी अपने स्तर से जांच कर कार्रवाई के लिए सूचना दी गई है। एमई भरतपुर केसी गोयल और उनकी टीम ने पहाडी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो एफआईआर दर्ज कराई है। एडीएम कोटा अविनाश कुलदीप की फोरमेन गोविन्द शर्मा की टीम ने बारां के कोटडी सुण्डा गांव में औचक कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी परिवहन में लिप्त दो ट्रेक्टर ट्राली जब्त कर दो लाख 53 हजार से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। दोनों वाहनों को संबंधित थानों के सुपुर्द कर दिया गया है। विभाग द्वारा अवैध खनन गतिविधियों यथा खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ कार्रवाई जारी है। अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस पीआर आमेटा के नेतृत्व में 6 निरीक्षण दल द्वारा प्रदेश में कहीं भी औचक कार्रवाई की जा रही है।

राजपूत क्षत्रिय संस्था सूरतगढ की मासिक बैठक का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। राजपूत क्षत्रिय संस्था सूरतगढ की मासिक बैठक का आयोजन संस्था ग्रामीण उपाध्यक्ष अजीत सिंह भाटी की अध्यक्षता में करणी माता मंदिर परिसर में किया गया। बैठक में ग्रामीण उपाध्यक्ष अजीत सिंह भाटी ने कहा देश में होने वाली आगामी जनगणना में सभी राजपूत सरदारों से जाति वाले कॉलम में जाति की जगह अपना सरनेम ना लिखकर सिर्फ क्षत्रिय लिखना होगा, जिससे पूरे देश में हमारी एकता का परिचय दिखेगा। अप्रैल माह में संस्था के नये चुनावों में सभी शहरी और ग्रामीण सरदारों को अपनी भूमिका निभानी होगी और संस्था के हॉस्टल में रहकर शिक्षा प्राप्त करने वाले समाज के बच्चों को उचित माहौल देना और उनकी निगरानी रखकर समाज के बच्चों को एक नई दिशा देनी होगी और नियमित देखभाल से बच्चों को भी अभिभावक की कमी का एहसास ना हो और वह गलत रास्तो पर ना जाएं इन बातों का आह्वान किया। मीटिंग में संस्था के संरक्षक हरी सिंह भाटी, मल सिंह भाटी, हनुमान सिंह सिसोदिया, शायर सिंह गौड, राजेश सिंह तोमर,अजय सिंह चौहान सहित अन्य सरदार मौजूद रहे। सभी सरदारों ने माँ करणी के चरणों में धोक लगाकर पुजारी भगवती प्रसाद से मंगल तिलक लगाकर आशिर्वाद प्राप्त किया।

चलती कार में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। अमरपुरा के पास चलती कार में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में कार पूरी तरह से जल गई। रविवार को पंजाब के खैरूवाला गांव के हरनीत सिंह सहित चार लोग अनूपगढ़ सत्संग में जा रहे थे। सुबह लगभग 9:00 बजे अनूपगढ़ रोड पर अमरपुरा के घिंटाला पेट्रोल पंप के पास कार में शॉर्ट सर्किट होने से अचानक आग लग गई। चलती कार में धूंआ निकलते देखकर कार में सवार हरनेक सिंह सहित सभी लोगों ने उतरकर आग बुझाने का प्रयास किया। आदित्य घिंटाला ने ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास किया। आग तेजी से बढ़ रही थी बड़ी दुर्घटना के आशंका को देखते हुए पेट्रोल पंप संचालक आदित्य घिंटाला ने सदर थाना पुलिस और सूरतगढ़ नगर पालिका अग्निशमन को सूचना दी। सदर थाना पुलिस के ने मौके पर पहुंच कर यातायात को नियंत्रित करके वाहनों को एक ही रास्ते से आने-जाने की व्यवस्था करवाई। नगर पालिका अग्निशमन के फायरमैन गुरप्रीत सिंह, फायरमैन पूरणमल, चालक मनजीत सिंह ने 1 घंटे की मशक्कत के बाद कार में लगी आग पर काबू पाया ।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

सांवरा सेठ मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की उपलक्ष में हुआ देव पूजन, जलाधिवास आज

❑ जय श्री राम जय सकीर्तन मंडल द्वारा बाबा का गुणगान

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। गांव 23 जीजी चूनावढ कोठी की जय को श्री कृष्ण गौशाला में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की उपलक्ष में शनिवार को सांवरा सेठ मंदिर में पंडित सत्यपाल पाराशर के सानिध्य में विधिवत रूप से पूजा अर्चना के साथ देव पूजन किया गया। गौशाला अध्यक्ष अनिल सरावगी ने बताया कि बीती रात सालासर धाम से लाई गई। अखंड ज्योत को मंदिर में विधिवत रूप से स्थापित की गई उन्होंने बताया कि देव पूजन में नरेश जी, हर्ष जैन हुंडई मोटर्स सपरिवार ,सत्यनारायण अग्रवाल स परिवार, चिंत राम बंसल से परिवार ,कपिल अग्रवाल सपत्नी, रमेश गोयल रिटायर एसबीआई सपत्नी सहित पूजन में शामिल रहे। अध्यक्ष ने बताया कि 2 मार्च को जलाधिवास और जय राम सकीर्तन मंडल से कीर्तन करेगा, 3 मार्च अनाधिवास, 4 मार्च को झाकी वाले बालाजी भजन मंडल जागरण करेगी, 5 मार्च को सुबह 11:00 बजे महास्नान शोभा यात्रा निकाली जाएगी और 6 मार्च को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होगा पंडित सतपाल पाराशर ने बताया कि मंदिर में सेठ सांवरा सहित 22 देवी देवताओं की प्रतिमाएं लगाई जाएगी और 6 दिवसीय चलने वाले इस अनुष्ठान में सात ब्राह्मण यजमानों द्वारा पूजन करेंगे शनिवार को पूजा अर्चना में सालासर से लाई गई अखंड ज्योत मंदिर में विधिवत रूप से स्थापित की गई है सुबह पूजा के बाद श्री राम नाम से कीर्तन मंडल भरत नगर द्वारा भजन कीर्तन कर संगत को निहाल किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉक्टर मंजू होंगे, विशिष्ट अतिथि विधायक जयदीप बिहानी पूर्व विधायक राजकुमार गोड़ समाजसेवी मुकेश शाह समाजसेवी अशोक चाडक, बलराज मित्तल टाटिया यूनिवर्सिटी के वाइस चेयरपर्सन डॉ मोहित डांटिया ,डॉक्टर शैलेश गोयल और अरविंद गोदारा सहित प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे इस दौरान गुरु का अटूट लंगर बरतेगा।

संभाजी की वाहन रैली का जूनागढ़ में स्वागत

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ। श्री गंगानगर के सामाजिक एकता मंच द्वारा रविवार को प्रेरणा धाम मंदिर में ठोक लगाने जा रहे 80 वाहनों की हिंदू जागरूक रैली का जूनागढ़ में बाजार में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया इस रैली का नेतृत्व कर रहे पदाधिकारी हेमंत नागोरी व महावीर गुप्ता का कहना है कि इस रैली का उद्देश्य सामाजिक एकता मंच द्वारा हिंदू लोगों को जागरूक करने के लिए हिंदू एकता मंच द्वारा जयकारे जय श्री राम , जयश्री बाला जी महाराज के जयघोष करते जा रहे हुए जा रहे थे यह रैली चानणा धाम मंदिर में धोक लगाकर वापस लौटेंगे स्थानीय मेंन बाजार व पंचायत मुख्यालय पर रेली का स्वागत अभिनंदन किया गया रैली का स्वागत करने मे शामिल प्रिंस सीडाना, नीरज सरदाना, दीपक डावरा , करोड़वश ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष बलदेव सिडाना, नवीन खुराना जेएमडी सोनू, नवीन खुराना, विकास दरगन, राजू बाबा, अशोक सिडाना पूर्ण राम, कृष्ण चाहर, राजेंद्र चाहर, तरुण गंभीरी, महेश चाहर, मास्टर ताराचंद कालड़ा, संजीव कालड़ा, शम्मी सेतिया ,पवन खुराना, सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे इस दौरान प्रसाद वितरण किया गया।

श्रीधर्मसंघ संस्कृत महाविद्यालय के बटुको ने राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री धर्मसंघ संस्कृत महाविद्यालय, श्रीगंगानगर के विद्यार्थियों ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यलय, नई दिल्ली और संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित शलाका परीक्षा प्रतियोगिता जो अमरकोष और लघुसिद्धांत कौमिकी विषय पर थी अपने कुशल बौद्धिक क्षमता का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता में अपना लोहा मनवाया, विद्यालय के तरफ से प्राचार्य मुकुंद त्रिपाठी, जितेंद्र वेद पाठी जी के नेतृत्व में आशुतोष पांडेय, रूद्र शर्मा, अक्षय शर्मा, रोहिताश शर्मा विद्यार्थियो ने प्रतियोगिता में भाग लिया और पुरस्कार अर्जित किया। इस अवसर पर श्री धर्मसंघ संस्कृत महाविद्यालय के संचालक और प्रबंधक ब्रह्मचारी कल्याण स्वरुप जी महाराज ने अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी माधवाश्रम जी महाराज को याद करते हुए उनके संकल्प गौ माता की रक्षा, संस्कृति का संरक्षण, बेटी, चोटी, रोटी के साथ ही वैदिक शिक्षा के माध्यम से राष्ट निर्माण को दोहराया और बताया की यह विद्यालय पिछले कई वर्षो से यहाँ वेद की शिक्षा दे रहा है, जिसकी नीव पूज्य गुरुदेव के द्वारा रखी गई थी, अपने शिष्यों को आशीर्वाद वचन देते हुए कहा की संसथान के विद्यार्थियों ने दिल्ली में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, विद्यार्थियों ने अच्छे प्रदर्शन कर विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में पुरस्कार अर्जित कर न सिर्फ श्रीगंगानगर का बल्कि संस्था और भारतीय संस्कृति का भी गौरव बढ़ाया है।

बालाजी स्कायर में 21 से होगी श्रीराम कथा की अमृत वर्षा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीराम कथा आयोजन समिति की ओर से आगामी 21 से 29 मार्च तक शिव चौक के नजदीक न्यू क्लाथ मार्केट के सामने स्थित बालाजी स्कायर में श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम संयोजक राधेश्याम शेरेवाला व सह संयोजक विजय मित्तल ने बताया कि इस दौरान रोजाना दोपहर 3 से सांय 6 बजे तक चित्रकूट धाम से पधारे आचार्य महेंद्र मानसमणि महाराज कथा वाचन करेंगे। इस अवसर पर 21 मार्च, शुक्रवार प्रातः 10 बजे बीरबल चौक के नजदीक गीता भवन से कलश व ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मजबूती से आगे बढ़ रहा प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। विधानसभा में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में इस महत्वपूर्ण सेक्टर के तीन आयामों-उत्पादन, वितरण एवं प्रसारण के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। बजट घोषणाओं से स्पष्ट है कि बीते एक साल में राजस्थान सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के संकल्प की क्रियान्विति में मजबूती से आगे बड़ी है। बजट में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को ब?ावा देने की दिशा में दूरदर्शी प्रस्ताव किए गए हैं। इसके अन्तर्गत मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को चरणबद्ध रूप से निःशुल्क सोलर प्लांट्स लगाकर प्रतिमाह 150 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा सम्मिलित है। इससे प्रदूषण रहित बिजली के उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। लोग पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित हो सकेंगे। अल्प आय वर्ग के परिवारों को इस योजना से जोड़ने के लिए विशेष प्रावधान राज्य सरकार ने बजट के माध्यम से किए हैं। अब इस वर्ग के ऐसे परिवार, जिनके घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, उनके लिए सामुदायिक सोलर स्थापित किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों के साथ अधिक दर पर बिजली की बैंकिंग व्यवस्था समाप्त करने का प्रस्ताव भी बजट में शामिल किया गया है। इस व्यवस्था की खामियों के कारण वर्ष 2024 के गर्मी के सीजन में पीक डिमांड को पूरा करने के लिए राज्य सरकार को अतिरिक्त प्रयास करने पड़े थे। ऐसे समय में, जबकि प्रदेश में ऊर्जा की आवश्यकता थी, प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा की गई बैंकिंग के कारण उन राज्यों को बिजली लौटाना राज्य सरकार की नैतिक जिम्मेदारी थी। अब इस व्यवस्था को समाप्त करने की मंशा सरकार ने बजट के माध्यम से व्यक्त की है। उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी बेहतर सेवाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में 50 हजार नए कृषि कनेक्शन तथा 5 लाख नए घरेलू कनेक्शन प्रदान करने की घोषणा सरकार ने बजट में की है। प्रदेश के विकास के लिए बिजली का निरन्तर उत्पादन ब?ाना सरकार की कार्ययोजना का महत्वपूर्ण बिन्दु है। इसी के दृष्टिगत आगामी वित्त वर्ष में 6,400 मेगावाट बिजली के अधिक अतिरिक्त उत्पादन, 5,700 मेगावाट ऊर्जा उत्पादन के कार्य हाथ में लेने, निजी क्षेत्र के माध्यम से आगामी वर्ष में 10 गीगावाट ऊर्जा उत्पादन प्रारंभ करने तथा 10 गीगावाट के ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की घोषणाएं बजट में सम्मिलित हैं। प्रसारण तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए आगामी वित्त वर्ष में 180 नए ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण का प्रस्ताव बजट में किया गया है। इसके अन्तर्गत 765 केवी का एक, 400 केवी के पांच, 220 केवी के 13, 132 केवी के 28 तथा 33/11 केवी के 133 ग्रिड सब स्टेशन के निर्माण तथा विद्युत लाइनों के विस्तार के कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेशवासियों को बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में रबी-2025 के लिए विद्युत वितरण की पीक डिमांड की आपूर्ति में बढ़ोतरी कर 20 हजार 750 मेगावाट बिजली की आपूर्ति किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम: 18 छात्राओं को बांटी साइकिल

संगरिया (जनमार्ग न्यूज)। संगरिया के गांव रतनपुरा के पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में राज्य सरकार की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत 18 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। योजना का उद्देश्य बालिका शिक्षा में बढ़ावा सहित प्रोत्साहन प्रदान करना है। प्रभारी देवी लाल ने बताया कि साइकिल वितरण से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में आसानी होगी। जिससे उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। इस मौके पर प्राचार्य गुरमीत सिंह, श्योपत बेनीवाल, रतिराम बुडानिया, लखा सिंह सिद्धू, शेर सिंह, राजेन्द्र साईंच, कृष्ण ज्यानी, सुभाष पोटली, विद्यालय स्टाफ व गांव के प्रबुद्धजन मौजूद थे। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खिले हुए नजर आए।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स मे तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया मे अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया मे प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैयाः दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथुला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड मे प्रेम आधारित कितनी ही फिल्मे बनी और जबर्दस्त सफल हुई। लेकिन बीते कुछ वर्षों मे ऐसी कई फिल्मे भी खूब हिट हुई, जिनमे प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

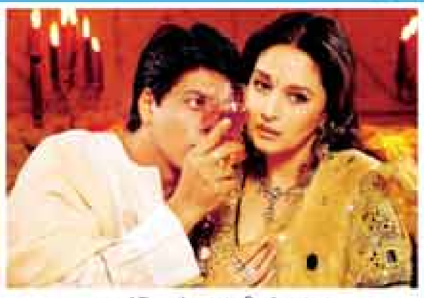

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी इसलिए ही होती है। लेकिन लगता है अब धीरे-धीरे ये फार्मूला भी दरकने लगा। क्योंकि, नई पीढ़ी को ऐसी प्रेम कथाएं रास नहीं आतीं।

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'

बदल रहे फिल्मों के विषय: लव स्टोरी बेस्ड फिल्मों के शानदार अतीत के बावजूद बीते कुछ सालों में आई कई फिल्मों के कथानकों में प्रेम नदारद था या न के बराबर था। यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *

स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार से जो भी मांग है, आपके एक मैसेज पर पूरी करेंगे: पूर्व राज्यमंत्री टीटी

❑ विश्व हियरिंग डे पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विश्व हियरिंग डे की पूर्व संध्या पर रविवार को जिला अस्पताल के ईएनटी अनुभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स की ओर से नुक्कड़ नाटक एवं अनुभाग की ओर से पीपीटी के जरिए जागरूकता पैदा की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, एडीएम रीना छींपा, समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक विरेंद्रपाल सिंह, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, प्रिंसिपल डॉ. प्रमोद बेरवाल एवं पीएमओ डॉ. दीपिक मोंगा बतौर अतिथि मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने कहा मैं खुद कान की बीमारी से पीड़ति रहा हूं और जो पीड़ा झेलता है वही दर्द समझ सकता है। इसलिए कहना चाहूंगा कि जागरूकता बेहद जरूरी है। यह बड़ी समस्या है, जो गांव से लेकर शहर तक है। लेकिन हमारी राज्य सरकार और केंद्र सरकार आपकी हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की देन है कि आज हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल गए हैं, जो कभी एक सपना हुआ करता था। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में हिंदुस्तान में जितनी सहूलियत है, वह अन्य देश में नहीं। श्रीगंगानगर जिले के आमजन पैसों की फिक्र नहीं करें और जागरूक बनकर इलाज करवाएं। अमेरिका में भी ऐसी निशुल्क दवाएं नहीं मिलती, निशुल्क इलाज नहीं मिलता लेकिन प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बदौलत यहां सब नि:शुल्क मिल रहा है।चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर बेहद सकारात्मक हैं और उनसे मिलकर स्वास्थ्य क्षेत्र का हर फायदा जिलेवासियों को दिलाएंगे। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक के जरिए बेहद प्रभावी ढंग से कॉक्लियर इंप्लांट के बारे में जागरूक किया। एडीएम रीना छींपा ने कहा कि सुनने की समस्या बेहद गंभीर है, जिसके लिए व्यापक जागरूकता जरूरी है। बचपन में यदि कोई लापरवाही हो तो उसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम लगातार जारी रहने चाहिए। वहीं ईएनटी अनुभाग की डॉ. रश्मि अग्रवाल ने पीपीटी के जरिए बताया कि कॉक्लियर इम्प्लांट एक चिकित्सीय उपकरण है जो गंभीर श्रवण हानि वाले लोगों के लिए ध्वनि लोटा सकता है। यह श्रवण यंत्रों से अलग है, जो केवल ध्वनि को बढ़ाते हैं। कॉक्लियर इम्प्लांट क्षतिग्रस्त आंतरिक कान को बायपास करता है और श्रवण तंत्रिका को सीधे उत्तेजित करता है, जिससे मस्तिष्क को ध्वनि संकेत मिलते हैं। इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, एक बाहरी हिस्सा जो कान के पीछे पहना जाता है और एक अंदरूनी हिस्सा जिसे शल्य चिकित्सा द्वारा कान में प्रत्यारोपित किया जाता है।कॉक्लियर इम्प्लांट से आसानी से सुनाई देने लगता है, शोरगुल वाले वातावरण में सुनने की क्षमता में सुधार आता है, संगीत का आनंद ले सकते हैं। वहीं सामाजिक अलगाव की भावनाओं में कमी आती है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार आता है। मेडिकल कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में आरएमआरएस के सदस्य अरिहंत बोरड़, एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता, पूर्व पीएमओ डॉ. बलदेव सिंह चौहान, डॉ. पवन सैनी, ईएनटी अनुभाग के डॉ. रश्मि अग्रवाल, डॉ. मोहन छींपा, डॉ. सुखपाल सिंह बराड़, डॉ. राजेंद्र गर्ग सहित पूर्व एसीएमएचओ डॉ. दीपिका मोंगा एवं आईएमए के डॉ. हरीश रहेजा आदि मौजूद रहे। मंच संचालन डॉ. सौम्या गर्ग एवं डॉ. पूजा ने किया।

पावन धाम मन्दिर के 30वें वार्षिकोत्सव पर श्री मद्भागवत कथा 6 मार्च से

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। महावीर कालोनी स्थित श्री रामदूत हनुमान सेवा संस्थान (ट्रस्ट) द्वारा संचालित पावन धाम मन्दिर का 30वां वार्षिकोत्सव 6 से 14 मार्च, शुक्रवार तक बड़े श्रृद्धा भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर मन्दिर प्रांगण में 6 मार्च, गुरूवार को श्री मद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा,? जिसकी पूर्णाहुति 13 मार्च, गुरूवार को होगी। इस अवसर पर पूरे मन्दिर परिसर में भव्य सजावट की जाएगी, साथ ही मन्दिर में स्थापित भगवान श्री राम की प्रतिमा का सुन्दर श्रृंगार किया जाएगा।

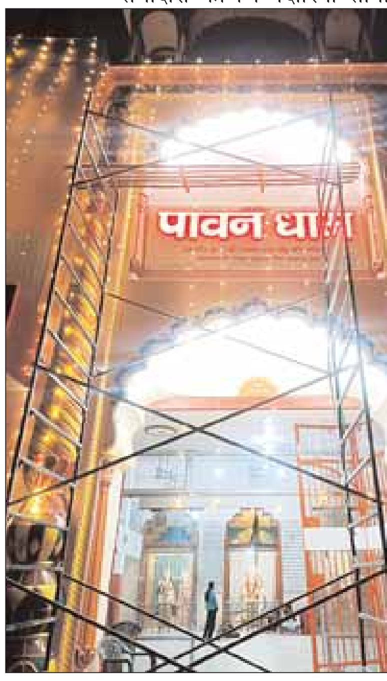

मन्दिर के प्रधान अशोक परूथी ने बताया कि इस दौरान भागवत कथा वाचक पं. विनोद शास्त्री सायं 2 बजे से सायं 7 बजे तक श्री मद्भागवत कथा का वाचन करेंगे।? आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, और आयोजन को लेकर मन्दिर सेवादारों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिसमें मन्दिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों सहित मन्दिर से जुड़े सेवादारों में भी विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। संस्था सचिव एवं ट्रस्टी टीकम चन्द ने बताया कि इस दौरान रोजाना भगवान को सवामणियों का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा। कथा की पूर्णाहुति 13 मार्च, गुरुवार सायं 7.15 बजे होगी तथा अगले दिन 14 मार्च, शुक्रवार प्रात: 8 बजे हवन यज्ञ के उपरांत सुबह 10 बजे मन्दिर में श्री श्याम प्रेम संकीर्तन मण्डल के सानिध्य में फाग उत्सव (फूलों की होली) मनाया जाएगा। कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद दोपहर एक बजे विशाल भण्डारा लगाया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रेम जुनेजा, कार्यक्रम संयोजक सुरेन्द्र बंसल ठेकेदार, बी.एस.चौहान, विकास गुप्ता, चिंतराम बंसल, ताराचंद छींपा, श्याम सांखला, यशपाल सेठी, विक्रम गोयल व महिला विंग अध्यक्ष वीना चौहान के नेतृत्व में अन्य कार्यकारिणी सदस्य व मन्दिर से जुड़े सेवादार तैयारियों में जुटे हैं।

श्रीगंगानगर जिले के भाजपा मंडल अध्यक्षों की हुई बैठक

❑ जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह ने राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित करने का किया आह्वान

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। श्रीगंगानगर भाजपा के जिले के समस्त मंडल अध्यक्षों की एक बैठक आज श्रीगंगानगर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक को संबोधित करते हुए श्रीगंगानगर भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह ने कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं मूर्त रूप से धरातल पर क्रियान्वित हो। उन्होंने कहा की प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा पेश किए गए ऐतिहासिक दूसरे बजट को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी अब मंडल अध्यक्ष और उनकी टीम की है। इस अवसर पर आगे की संगठनात्मक संरचना के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह, प्रदीप घेरड़ जिला उपाध्यक्ष रतन गणेगगढ़िया, सुरेन्द्र गोदारा, मंडल अध्यक्ष गौरव बलाना, विकास शेखावत, कप्तान शर्मा, प्रेम झाटवाल, पवन गरुवा, कृष्णा कुमार, उमेश भाम्भू, अभिषेक दाधिच, पवन भाम्भू, नितू राठौ?, नरेंद्र बराड़, सुखदेवराम, सुशील अरोड़ा, मनदीप सिंह थिंद, सुभाषचंद्र सुथार, शिव भगवान मेघवाल, बलविंद्र सिंह मग्गो, अमृतपाल सिंह, पवन पपनेजा, जसप्रीत सिंह, प्रदीप खिचड़, अंशु बिलंदी व मुकेश पुरोहित उपस्थित थे।

मानसिक रूप से बीमार युवती से रेप

पीड़िता 7 महीने की गर्भवती, पिता की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर (जनमार्ग न्यूज)। अनूपपुर जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र में एक मानसिक रूप से बीमार युवती के साथ एक 67 साल के आरोपी ने रेप किया। पीड़िता के पिता राम प्रसाद ने 19 फरवरी को थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता के पिता ने शिकायत में बताया कि आरोपी परसादी केवट उर्फ बाबा ने उनकी बेटी के साथ कई बार रेप किया। आरोपी को यह मालूम था कि पीड़िता अनुसूचित जाति से है। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ भी है। इस दौरान पीड़िता सात महीने की गर्भवती हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रामप्रसाद केवट उर्फ परसादी उर्फ बाबा (67) को गेट दफाई भालूमाड़ा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल अनूपपुर भेज दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376, 376(2)के, 351(3) और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2) 5के तहत मामला दर्ज किया है।

भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम के विचार को साथ लेकर आगे बढ़ रही है: जसवंत खत्री

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रबुद्धजनों की संगोष्ठी जिला जीनगर धर्मशाला में अध्यक्ष विजय मीणा विभाग संघ चालक चिमन लाल द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वल कर शुरुआत की राष्ट्र के समक्ष चुनौतियां एवं हमारी भूमिका विषय पर बोलते हुए मुख्य वक्ता राजस्थान क्षेत्र के कार्यवाह जसवंत खत्री ने कहा, आज हर दिशा से जल, जमीन, खेत, कन्या, नारी की अस्मिता, संस्कृति, सभ्यता, पर्यावरण को बचाओ ऐसी आवाज आ रही है। शक्ति से संपन्न विचार ही इसे बचा सकता है। विध्वंस व नाश करने वाली विचारधारा विचार इसे नहीं बचा सकती। विश्व में जिहादी ताकतें, मत्तांतरण करने वाली ताकत, सेवा के नाम पर संवेदनाओं को व्यापार तथा व्यवसाय बनाने वाली ताकतों से दुनिया को बहुत बड़ा खतरा है। बाजारवादी ताकतें समूचे विश्व को बाजार मानकर उसका शोषण करना चाहती है जबकि भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम के विचार को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। जॉर्ज सोरोस जैसे व्यक्ति डीप स्टेट की योजना बनाकर सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने वाली सरकार को रोकने के प्रयासों में लगे रहते हैं। ये ब्यूरोक्रेसी, खुफिया तंत्र तथा राजनीति में अंदर तक घुस चुका है। जसवंत खत्री ने बताया कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में पांच प्रकार के कार्यों को लेकर आगे बढ़ रहा है, जिसमें सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का भाव तथा नागरिक शिष्टाचार को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संघ के तृतीय सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने कहा था यदि छुआछूत अपराध नहीं है तो दुनिया में कुछ भी अपराध नहीं है। परिवार प्रबोधन के अंतर्गत अपने भजन, भोजन, भ्रमण व भाषा को महत्व देना है। उन्होंने कहा कि जल, जमीन, वायु इनको बनाया नहीं जा सकता लेकिन उसका सीमित उपयोग करके हम पर्यावरण कर सकते हैं। कार्यक्रम में शहर के प्रमुख एवं महानुभाव प्रबुद्ध नागरिक 350 की संख्या में उपस्थित रहे।

अग्र सेवा समिति परिवार ने गौवंश को 146 सवामणी गौ आहार व दाना-चुग्गा खिलाया

स्थाई गौ सेवा प्रकल्प अनवरत जारी तथा आगामी दिनों में भी हरे चारे व फलों की 47 सवामणी लगाई जाएगी : किशन खारीवाल

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी महाराज की प्रेरणा से अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार द्वारा स्थाई गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश को गौ आहार की 145 सवामणी खिलाकर सेवा कार्य किया गया। अध्यक्ष किशन खारीवाल ने बताया कि सर्वप्रथम समाजसेवी शिवभगवान लाला खारीवाल के सहयोग से 25 जीजी, कोठी धाम, पदमपुर रोड, श्रीगंगानगर स्थित स्थित जयको श्रीकृष्ण गौशाला में गौवंश को 75 सवामणी हरी पत्ता गोभी खिलाई गई। इसके बाद सुखाडि?ा सर्किल स्थित श्रीगौशाला में श्रद्धाभाव से गौवंश को 26 सवामणी हरी पत्ता गोभी की सवामणी खिलाने के साथ-साथ 44 सवामणी हरा चारा खिलाया गया। इस सेवा कार्य में नाकोडा वाले बालाजी के भक्त माया-जगत गोयल, संजय कुमार द्वारा 11-11 सवामणी का सहयोग दिया गया तथा 22 सवामणियां गुप्तदान के रूप में खिलाई गई। तत्पश्चात् श्रीगौशाला प्रांगण स्थित पक्षी विहार में स्व. विजय बंसल की पावन स्मृति में परू-कपिल बंसल के सहयोग से पक्षियों को 1 सवामणी दाना-चुग्गा खिलाया गया तथा सभी जीवों के प्रति दया व प्रेम का भाव रखने के लिए प्रेरित किया गया।

अध्यक्ष किशन खारीवाल ने अग्र समिति परिवार की सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि 6 मार्च, गुरुवार को प्रात 10.15 बजे 25 जीजी, कोठी धाम, पदमपुर रोड, श्रीगंगानगर स्थित स्थित जयको श्रीकृष्ण गौशाला प्रांगण में श्री सेठ सांवरा मन्दिर मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में रीटा-पवन गर्ग के सहयोग से गौवंश को 11 सवामणी हरे की खिलाई जाएगी तथा माया-जगत गोयल के सहयोग से श्री सेठ सांवरा को फलों की एक सवामणी का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसी कड़ी में 9 मार्च, रविवार को समाजसेवी अशोक चांडक, नगर परिषद पूर्व सभापति श्रीमती करूणा चांडक तथा श्रीमती किरण-राघव चांडक के सहयोग से गौवंश को 33 सवामणी हरा चारा व एक सवामणी गुड़ की खिलाने के साथ-साथ पक्षियों को एक सवामणी दाना-चुग्गा खिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौमाता को हरा चारा, गुड़ व केले, फल आदि खिलाने के साथ-साथ पक्षियों को दाना-चुग्गा खिलाया जाता है। नियमित रूप से चल रहे गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश के लिए गुड़ व हरे चारे तथा पक्षी विहार में पक्षियों के लिए दाना-चुग्गा की सवामणी लगाने के इच्छुक गौभक्त व जीव प्रेमी समिति परिवार अध्यक्ष किशन खारीवाल मो.नं. 9413376500 से सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर किशन खारीवाल, राकेश सिंघल, जडिया ट्रांसपोर्ट के शेखर सोनी, जगत गोयल, दिनेश गोयल, लोकेश शर्मा, अनमोल सिंघल, नितिन खारीवाल, योगेश मंगल, पवन गर्ग, मनीष बाजोरिया, विपुल गग्र, संतोष खारीवाल, माया गोयल, विद्या गोयल, श्वेता बंसल, सत्या बंसल, विक्रम गुप्ता, संजय कुमार सहित सहित अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार पदाधिकारी सदस्य एवं गौसेवक उपस्थित थे।

ट्रेन से कटकर किया सुसाइड

जनमार्ग न्यूज

गुना। गुना में एक युवक ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। इससे पहले उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह कह रहा है कि पत्नी और मां के आपस में झगड़ने के कारण मैं सुसाइड कर रहा हूं। उसने यह कहा कि शादी करो, लेकिन पहले ही मां और होने वाली वाइफ को मिलवा दो। घटना रविवार दोपहर की है। नरेंद्र रजक (27) श्रीराम कॉलोनी में रहता था। उसने बलवंत नगर में ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पहले युवक की शिनाख्त नहीं हुई थी। बाद में उसकी पहचान नरेंद्र रजक के रूप में हुई। मैं आत्महत्या कर रहा हूं ट्रेन की पटरी पर। मैं अब जीना नहीं चाहता। मैं अपना जीवन यहीं समाप्त करना चाहता हूं। अपनी जिंदगी में बहुत परेशान हो चुका हूं। भाई शादी कर लो, लेकिन अपनी मम्मी और होने वाली वाइफ को पहले मिलवा दो। अगर उन दोनों की नहीं बनी, तो तुम्हे भी मेरे जैसे आत्महत्या करना पड़ेगा और जीवन में कोई रास्ता नहीं बचेगा।

श्याम ध्वजाएं तैयार करने में जुटे सेवादार

❑ फाल्गुन का जोश परवान पर ❑ श्री श्याम जी सतरंगी फाल्गुन मेला 06 से 11 मार्च तक

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्री खाटू श्याम धाम मंदिर सुदामानगर में श्रीश्याम जी सतरंगी फाल्गुन मेला 06 मार्च से 11 मार्च तक बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया जा जाएगा । मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि इस मेले की शुरुआत 06 मार्च वीरवार प्रात 9=15 बजे विशाल ध्वजा यात्रा बीरबल चौक स्थित, गीता भवन से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी। इसी ध्वजा यात्रा के लिए मंदिर प्रांगण में सेवादारों द्वारा ध्वजाएं बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है । मंदिर प्रांगण की साज सज्जा का कार्य भी सेवादारों द्वारा किया जा रहा है। फाल्गुन का महीना प्रारंभ होते ही श्याम प्रेमियों का जोश परवान पर है। हर श्याम प्रेमी अपने-अपने तरीके से, अपने-अपने मोहल्ले में अपनी अपनी गली में ,इस मेले के निमंत्रण पत्रों का वितरण कर रहा है । शहर ही नहीं बाहर की मंडियो में भी श्याम प्रेमियों में इस मेले के प्रति उत्साह है। हर श्रद्धालु इस मेले में 06 मार्च वीरवार को बाबा श्याम को अपनी-अपनी ध्वजा अर्पित कर, अपनी अपनी मन्नतें बाबा श्याम के समक्ष अर्पित करेगा। शेरेवाला ने बताया कि फाल्गुन का महीना प्रारंभ होते ही श्याम प्रेमी श्रद्धालु अपने घरों से ध्वजाएं लेकर मंदिर प्रांगण पहुंच रहे हैं। प्रतिदिन सैकडों ध्वजाये बाबा श्याम को इस फाल्गुन मेले में अर्पित की जा रही है। मंदिर प्रांगण को विशेष प्रकार की रंग बिरंगी लाइटों, दुपट्टों, गुब्बारों से सजाया जाएगा । जिसकी चमक से पूरा सुदामानगर दूधिया रोशनी में चमकेगा

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

गांव की दाई रोशनी : तीन दशकों से मातृत्व की सच्ची सेवक

जनमार्ग न्यूज

किररवाली जोहड़ी। गांवों में जब भी किसी महिला को प्रसव पीड़ा होती है, तो सबसे पहले घर की बुजुर्ग महिलाएँ जिस नाम को पुकारती हैं, वह होती है दाई। दाई सिर्फ एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, ममता और अनुभव का ऐसा संगम है, जो अनगिनत नवजातों को पहली सांस देने में सहायक बनता है। समय भले ही बदल गया हो, अस्पतालों और डॉक्टरों की व्यवस्था बढ़ी हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी दाई की भूमिका अमूल्य मानी जाती है।

किकरवाली जोहड़ी की रोशनी 30 वर्षों की सेवा

गाँव किकरवाली जोहड़ी की रोशनी, उम्र लगभग 62 वर्ष, पिछले 25 से 30 वर्षों से गाँव में दाई का कार्य कर रही हैं। उन्होंने अपने हाथों से सैकड़ों नवजातों को जन्म दिलाने में सहायता की है। गाँव के बड़े-बुजुर्ग से लेकर युवा महिलाएं तक उन्हें सम्मान की नजर से देखती हैं। कई परिवारों में तीन पीढ़ियों तक के बच्चों को उन्होंने जन्म लेते देखा है। रोशनी सिर्फ एक दाई नहीं, बल्कि उन परिवारों की धरोहर बन चुकी हैं, जिनके घर उन्होंने किलकारी गूँजाई। वे बताती हैं, पहले समय में अस्पताल दूर होते थे, लोग साधनों के अभाव में घर पर ही प्रसव कराते थे। उस समय डॉक्टर से ज्यादा भरोसा दाई पर होता था।

संघर्ष भरे शुरुआती दिन

रोशनी बताती हैं कि जब उन्होंने यह कार्य शुरू किया, तब गाँव में स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी थी। कई बार आधी रात को, बारिश में, ठंड में उन्हें प्रसव कराने के लिए बुलाया जाता था। उस समय ना बिजली की व्यवस्था होती थी, ना ही आधुनिक उपकरण, लेकिन उनके अनुभव और हिम्मत ने कभी उन्हें पीछे हटने नहीं दिया। वे याद करते हुए कहती हैं, कई बार ऐसी परिस्थितियाँ आईं जब प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा दोनों की हालत बिगड़ने लगी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। ऊपर वाले की कृपा और अनुभव के सहारे कई बार बड़ी कठिनाइयों को पार किया।

गांव की बेटियों की मसीहा

रोशनी के लिए यह सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक सेवा का कार्य रहा है। गाँव में कई बेटियाँ और बहुएँ आज भी उन्हें आशीर्वाद देती हैं, क्योंकि वे खुद भी उन्हीं के हाथों इस दुनिया में आई थीं। कई घरों में माँओं की गोद में खेलते नन्हे शिशु उनके आशीर्वाद का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। वे बताती हैं कि अब जमाना बदल गया है, लोग अस्पताल जाने लगे हैं, लेकिन फिर भी कई बार ऐसी स्थितियाँ आती हैं जब अस्पताल पहुँचने से पहले ही बच्चे का जन्म हो जाता है। ऐसे समय पर गाँव वालों को मेरी जरूरत पड़ती है। जब तक शरीर साथ देगा, मैं यह सेवा करती रहूँगी। आज रोशनी जैसी दाई गाँवों की असली नायिका हैं। वे बिना किसी चिकित्सीय डिग्री के भी वर्षों से मातृत्व की सेवा कर रही हैं। सरकारें भले ही बड़े अस्पताल खोल रही हों, लेकिन ग्रामीण भारत में दाई आज भी विश्वास और अनुभव का दूसरा नाम हैं। रोशनी जैसी महिलाएँ ही हमारे समाज की वह मजबूत कड़ी हैं, जिन्होंने अनगिनत घरों में खुशियों की किलकारियाँ गूँजाई हैं।

दिल्ली में नहीं होगी बत्ती गुल

पॉवर ग्रिड को पांच मिनट में ठीक करने का आदेश, बिजली के लटकते तार भी हटेंगे

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में अब बिजली के लटकते तार नहीं दिखेंगे। खंभों पर से तत्काल प्रभाव से झूलते हुए तार हटाए जाएंगे, ताकि खंभों पर तार का बोझ नहीं पड़े। इतना ही नहीं बिजली कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि कोई पावर ग्रिड फेल होता है, तो उसकी मरम्मत अधिकतम पांच मिनट में अवश्य पूरी हो जानी चाहिए, ताकि दिल्ली में सुचारू और नियमित बिजली आपूर्ति हो सके। जल्द ही इस तरह का दिल्ली में एक मॉडल कॉलोनी देखने को भी मिलेगा। दिल्ली कैबिनेट पूरी तरह से एक्शन मोड में है। रविवार को भी कैबिनेट मंत्री अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं और निर्देश जारी कर रहे हैं। दिल्ली सचिवालय में ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली की बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। जहां सभी को समर एक्शन प्लान-2025 लागू करने का निर्देश दिया गया। महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए सूद ने ऊर्जा विभाग और सभी हित धारकों को निर्देश दिए गए।

पंचायतों में करोड़ों के घोटाले का आरटीआई में मांगा हिसाब-किताब

जनमार्ग न्यूज

खाजूवाला। क्षेत्र की पंचायतों में हुए भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के साथ उसे उजागर करने के लिए राष्ट्रवादी विचारक सोशल एक्टिविस्ट सत्यनारायण के द्वारा फलोदी की 8 पंचायत समितियों की 218 ग्राम पंचायतों का जमा-खर्च का हिसाब मांगा। जोशी ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत फलोदी जिले की 08 पंचायत समितियों और 218 ग्राम पंचायतों में हुए वित्तीय लेन-देन का पूरा हिसाब मांगा है। इस हिसाब-किताब में करोड़ों रुपए के गबन की आशंका जताई जा रही है। इसमें कुछ जगह विकास अधिकारियों की संलिप्तता भी बताई जा रही है। जोशी ने जिला कलेक्टर और अतिरिक्त जिला परिषद सीईओ को पत्र लिखकर आरटीआई का जवाब देने के निर्देश देने की मांग की है। इससे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। जोशी ने आरटीआई आवेदन के जरिए ग्राम पंचायतों को आवंटित बजट, खर्च की गई राशि और योजनाओं के क्रियान्वयन का पूरा ब्यौरा मांगा है। इसमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन सहित कई सरकारी योजनाओं की वित्तीय स्थिति की जांच की मांग की गई है। आरोप है कि इन योजनाओं की आड़ में कागजों पर काम दिखाकर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया। सूत्रों के अनुसार कई पंचायतों में बिना काम किए ही भुगतान उठा लिया गया। फर्जी बिलों के जरिए सरकारी खजाने को चूना लगाया गया है। ठेकेदारों से मिलीभगत कर भारी रकम हड़प ली गई। खासकर मनरेगा जैसी योजनाओं में बिना मजदूरों के ही लाखों रुपए के भुगतान उठाने की शिकायतें लंबे समय से आ रही हैं। अब आरटीआई से ये राज खुलने वाले हैं। इससे जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इस मामले को लेकर प्रशासनिक गलियारों में खलबली मच गई है। कई जनप्रतिनिधि और पंचायत पदाधिकारी आरटीआई का जवाब देने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जोशी ने साफ कर दिया है कि यदि समय पर जवाब नहीं दिया गया, तो वे सूचना आयोग औन उच्च न्यायालय तक जाने से पीछे नहीं हटेंगे।

हमें मेल द्वारा आरटीआई एक्टिविस्ट सत्यनारायण जोशी का पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने फलोदी जिले की सभी पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों में आरटीआई आवेदन किया है। इस संदर्भमें हम सभी पंचायत समितियों व ग्राम पंचायतों को निर्देशित करेंगे कि जल्द से जल्द नियमानुसार जानकारी उपलब्ध करवाई जाए। अन्यथा उचित कार्यवाही की जाएगी।

ललित गर्ग, अतिरिक्त सीईओ,
जिला परिषद फलोदी

दलित समाज को न्याय दिलाने के लिए विभिन्न संगठनों की बैठक आज

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। दलित न्याय और सम्मान हेतु विभिन्न संगठनों की बैठक आज शाम 5 बजे पंचायती धर्मशाला में आयोजित की जाएगी।

दलित नेता कालूराम मेघवाल ने बताया कि टैक्स के पैसे से विकसित पार्क, रोड लाइट, पानी सहित जीने के बुनियादी साधनों पर वंचितों दलितों का भी समान अधिकार है। ये वंचित जन न्याय और अपने अधिकारों को हासिल करने के लिए आईडीपी के तत्वावधान में सात दिन से सत्याग्रहरत् हैं। इलाके में इन साधन सुविधाओं पर कानूनी और गैरकानूनी काबिज मुट्ठी भर लोग वंचित दलित अधिकारों के खुलेआम दमन में लगे हैं और सरकारी अमला मूक दर्शक की भूमिका में है। कालूराम मेघवाल ने कहा कि वंचितों दलितों के जीने के अधिकारों को व्यावहारिक रूप में सुनिश्चित करने के निमित्त विभिन्न मंचों के कार्यकर्त्ताओं की बैठक आज शाम 5 बजे पंचायती धर्मशाला में आयोजित की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे तथा दलित समाज को न्याय दिलाने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (युवा इकाई) के सर्वसम्मति से सीए राघव गोयल अध्यक्ष बने

आमसभा में वर्तमान सत्र में किए गए सेवा कार्यों एवं आगामी गतिविधियों पर हुई चर्चा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (युवा इकाई), श्रीगंगानगर की आमसभा में सर्वसम्मति से सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष का चयन किया गया है। रीको फ्लाईओवर के समीप स्थित होटल में हुई आमसभा में वर्तमान कार्यकारिणी द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया तथा वर्तमान सत्र में किए गए सेवा कार्यों एवं आगामी गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर विचार-विमर्श के पश्चात् सर्वसम्मति से सीए राघव गोयल को आगामी सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष चुना गया। इस पर समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों ने करतल ध्वनि से खुशी का इजहार किया तथा उन्हें फूलमालाएं पहनाकर अभिनंदन-सम्मान किया। वर्तमान अध्यक्ष अक्षय गुप्ता ने उनके सफल कार्यकाल के लिए समस्त सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। आगामी सत्र अध्यक्ष सीए राघव गोयल ने महत्वपूर्ण दायित्व सौंपने पर समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा सबको साथ लेकर संगठन हित में कार्य करने एवं सामाजिक सरोकारों व सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। गौरतलब है कि अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (युवा इकाई) द्वारा गत 10 वर्षों से श्रीगंगानगर में सामाजिक सेवा कार्यों में बढ़-चढ?र भाग लिया जा रहा है तथा अनेक गण्यमान्य व प्रतिष्ठित व्यक्ति संस्था से जुड़े हुए हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष अक्षय गुप्ता, कोषाध्यक्ष निश्चल मित्तल, वरिष्ठ सदस्य विविध बिहाणी, सीए संजय बंसल, पंकज गणेशगढि?ा, माधव अग्रवाल, अभिमन्यु कोचर सहित अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (युवा इकाई) श्रीगंगानगर पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

दिल्लीवालों की पसंद से तैयार होगा बजट

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में 24 मार्च से 26 मार्च के बीच बजट पेश हो सकता है। लेकिन उससे पहले दिल्ली सरकार आगामी साल का बजट जनता की राय पर तैयार करने वाली है। सरकार में मंत्री, विधायक, अधिकारी जनता से राय लेंगे। इसके अलावा विभिन्न वर्गो के सुझाव देने के लिए उनको विधानसभा बुलाया जाएगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए सरकार जो है समाज के सभी वर्गों को साथ में लेते हुए उनके सुझावों को शामिल करने का प्रयास करेगी। यह बजट दिल्ली का बजट है। इसमें जनता के प्रत्येक वर्ग के सुझाव शामिल हों। आगे कहा कि हमारे संकल्प पत्र में जो फोकस के क्षेत्र में हमने महिलाओं को आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सेवा का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, प्रदूषण को कम करना, नौकरियां, शिक्षा की बेहतर व्यवस्था, भोजन, वरिष्ठ नागरिकों का कल्याण, यमुना नदी की सफाई, कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने जैसे महत्वपूर्ण विषय हमारे संकल्प में शामिल हैं।

भूखंड विवाद में पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर के सादुलशहर में एक युवक अपने निजी भूखंड के विवाद को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गया। प्रथम दृष्टया भाईयो से चल रहे विवाद के चलते टंकी पर चढ़ने की बात सामने आई है। टंकी पर चढ़ने की सूचना के बाद स्थानीय सादुलशहर पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंची। पुलिस के समझाने के बाद काफी मशक्कत के बाद युवक नीचे उतर आया।

एएसआई रामप्रताप ने बताया कि वार्ड नंबर 9 निवासी जगदीश सहारन पुत्र लादूराम सहारन कस्बे में स्थित वॉटर वर्क्स के ओवरहेड टैंक पर चढ़ गया। यह व्यक्ति पहले भी दो बार टंकी पर चढ़ चुका है। पुलिस ने बताया कि पांच दिन पहले इसने ने अपने भाई के साथ मारपीट की थी। जिससे विवाद और भी बढ़ गया था। जिसके बाद पुलिस ने जगदीश को पाबंद भी किया था। सोशल मीडिया पर शेयर हुए वीडियो में टंकी पर चढ़े जगदीश सहारन ने टंकी से एक पत्र भी नीचे फेंका। पुलिस प्रशासन ने तुरंत इस पत्र को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि उस पत्र में क्या लिखा हुआ है ये बात सामने नहीं आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद, सादुलशहर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। एएसआई रामप्रताप, एसआई जगदीश कुमार और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद हैं और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। जगदीश देर रात करीब 2 बजे के आस पास टंकी पर चढ़ गया था। पुलिस के काफी समझाने पर जगदीश करीब दोपहर 12 बजे टंकी से नीचे उतर आया।

रामेश्वरम सेवा समिति शिव मंदिर का वार्षिक धर्मोत्सव संपन्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राम नाम जाप करते भजनी संघ के सदस्यए दर्शन करते भक्तजनए भोजन लेते हुए भक्तजनए प्रसाद वितरण करते सेवादारए विद्युत लड़ियों एवं फूल मालाओं से सजा दरबार नजारा था रामेश्वर सेवा समिति के वार्षिक उत्सव का ज्ञात रहे कि 24 वां वार्षिक धर्मोत्सव 1 मार्च को प्रारंभ हुआ था । 1 मार्च वार शनिवार को रात्रि 7रू15 बजे से 501 यजमानों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का महापाठ किया गया । अध्यक्ष उमाशंकर मित्तल ने बताया कि यह महापाठ बीकानेर के दाधीच अलमस्त मंडल द्वारा किया गया था । 2 मार्च रविवार को प्रात: 9रू15 से श्री सालासर बालाजी भजनी संघ द्वारा 11 घंटे का अखंड रामनाम जाप किया गया 2 मार्च रविवार को सुबह 9रू00 बजे गणेश वंदना कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई । इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ हुआ । इसके बाद श्री सालासर धाम भजनी संघ ने सुबह 9रू30 बजे से 11 घंटे का अखंड राम नाम का जाप शुरू किया जो रात को 9रू30 बजे संपन्न हुआ । इस दौरान मंदिर में धोक लगाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था । मंदिर परिसर भक्त जनों से खचाखच भरा हुआ था । आयोजन के तहत सुबह 11रू00 बजे ब्राह्मणों और कन्याओं को भोजन कराया गया । इसके बाद दोपहर 12रू00 बजे समिति की ओर से भंडारा लगाया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया । भंडारे में सेवा करने के लिए भक्तों में होड़ लगी रही । श्री सालासर धाम सुंदरकांड मंडल ने जूतों की व्यवस्था संभाली । कार्यक्रम संयोजक सीए पवन मित्तल ने बताया कि पूरे कार्यक्रम में मंदिर में 31 सवामणी का भोग लगाया गया । जिसमें मंदिर पुजारी प्रवीण शर्मा और दीपक शर्मा का सहयोग रहा । इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष उमाशंकर मित्तलए कार्यक्रम संयोजक सीएण् पवन मित्तलए सचिव तिलोकचंदए कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंघलए सुमित गर्गए पवन राठीए रमेश मित्तलए दीपक लखोटियाए रमाकांत शर्माए परमपाल यादवए माधव राठीए उदित मित्तलए पार्थ मित्तलए लवदीप सिंहए श्याम सुंदर व्यासए अशोक वधवाए संदीप शर्माए रमेश धींगडाए अरुण अग्रवालए राकेश बंसलए संदीप गोयलए सोनू शर्माए दयानंद शर्माए अनिल धुडियाए दीपक अग्रवालए दिनेश चराया एवं मंदिर पुजारी प्रवीण शर्मा और दीपक शर्मा जी का सहयोग रहा।

श्रीगंगानगर जिले में जनजाति छात्रों को समय पर छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएं : गेदर

विधानसभा में सामाजिक न्याय एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास को लेकर विधायक डूंगरराम गेदर का जोरदार संबोधन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ। राजस्थान विधानसभा में विधायक डूंगरराम गेदर ने मांग संख्या 31 के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और मांग संख्या 30 के तहत जनजाति क्षेत्रीय विकास पर गंभीर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये दोनों विभाग विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और समाज के वंचित तबकों के उत्थान के लिए कार्य करते हैं। इन वर्गों के कल्याण के लिए बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी ने संविधान में विशेष प्रावधान किए थे। गेदर ने संविधान सभा में बाबा साहब अंबेडकर द्वारा 26 नवंबर 1949 को कही गई बात को दोहराया किसी भी देश का संविधान चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि इसे लागू करने वाले लोगों की नीयत सही न हो तो वह निरर्थक हो सकता है। लेकिन यदि इसे लागू करने वाले लोगों की नीयत साफ है, तो वह संविधान सर्वोत्तम साबित होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी राजस्थान में दलितों को घोड़ी पर चढ़ने के लिए पुलिस का सहारा लेना पड़ रहा है। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में नायक व धानक समाज के लोग, जिनके पिता को एसटी प्रमाण पत्र मिला था, उनके बच्चों को प्रमाण पत्र बनवाने में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

निजीकरण के कारण आरक्षण समाप्त करने की साजिश

गेदर ने आरोप लगाया कि पीपीपी मोड (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) में दिए जा रहे सरकारी कार्यों में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी की सुनियोजित योजना है, जिससे वंचित वर्गों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन में कटौती

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन को हर साल 15प्रतिशत बढ़ाने का कानून बनाया गया था। लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे मात्र 9प्रतिशत (1250 रुपए) तक सीमित कर दिया है, जो अस्वीकार्य है।

छात्रावासों की बदहाल स्थिति

गेदर ने बताया जैतसर छात्रावास बारिश के दौरान जलमग्न हो जाता है, जिससे छात्रों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ओबीसी छात्रों के लिए पर्याप्त छात्रावासों की व्यवस्था अब तक नहीं की गई है। शिल्पकार एवं दस्तकार समुदायों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष छात्रावासों की आवश्यकता है। राजस्थान में ओबीसी की आबादी 55प्रतिशत है, लेकिन उन्हें मात्र 21प्रतिशत आरक्षण मिला हुआ है।

आरक्षण का राजनीतिक प्रतिनिधित्व

नगर निकाय और पंचायती राज में तो ओबीसी के लिए आरक्षण है, लेकिन विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों में आज भी ओबीसी को कोई आरक्षण नहीं दिया गया। यह सामाजिक न्याय की अवधारणा के खिलाफ है और इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए। गेदर ने कहा कि सरकार के आंकड़ों में भी यह स्पष्ट हो गया है कि राजस्थान में बच्चों में कुपोषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण के कारण बच्चों की मृत्यु हो रही है। पूंजीपतियों की संपत्ति बढ़ रही है, लेकिन बेरोजगारी भी उसी गति से बढ़ रही है।

महापुरुषों के विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत

गेदर ने संत गुरु कबीर, गुरु रविदास, महात्मा ज्योतिबा फुले, नारायण गुरु, छत्रपति शाहूजी महाराज आदि महापुरुषों द्वारा सामाजिक बदलाव के लिए किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि 1902 में शाहूजी महाराज ने 50प्रतिशत आरक्षण लागू किया था, जब देश में एससी, एसटी और ओबीसी जैसी श्रेणियां भी नहीं थीं। विधानसभा में सूरतगढ़ में जनजातीय छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को उचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। श्रीगंगानगर जिले में जनजाति छात्रों को समय पर छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएं। सूरतगढ़ में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए छात्रावास की स्थापना की जाए। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी के लिए सरकारी कार्यालय और भवन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन और छात्रवृत्ति योजनाओं का संपूर्ण भुगतान ब्लॉक स्तर पर सुनिश्चित किया जाए। अंत में विधायक डूंगरराम गेदर ने कहा कि सामाजिक न्याय सिर्फ कानूनों से नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर सही नीतियों से लागू होना चाहिए। सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि समाज के सभी वर्गों को न्याय मिल सके।

अणुव्रत समिति का स्थापना दिवस मनाया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अणुव्रत समिति का स्थापना दिवस शनिवार को जैन आईटीआई में मनाया गया। अध्यक्ष राजकुमार जैन, सचिव इंजी. राहुल जैन, संदीप आंचलिया आदि मौजूद रहे।वक्ताओं ने अणुव्रत के छोटे छोटे व्रतों को बहुत काम का बताते हुए इन्हें जीवन में अंगीकार करने की आवश्यकता बताई। मोबाइल का सदुपयोग करने, नशे से दूर रहने, जल बचत करने आदि की सीख भी दी गई। काफी विद्यार्थियों ने अणुव्रत के संकल्प पत्र भी भरे।

नि :शुल्क शुगर एवं कोलेस्ट्रॉल जांच शिविर

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रिलाएबल लैब हनुमानगढ़ में अपनी प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निःशुल्क शुगर और कोलेस्ट्रॉल जांच शिविर का आयोजन कर रही है। यह शिविर 2 मार्च से 9 मार्च तक चलेगा, जिसमें नागरिकों को सुबह 7 बजे से 8 बजे तक मुफ्त जांच की सुविधा दी जाएगी। साथ ही अन्य जांचों पर 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। लेब संचालक आशीष गुप्ता ने बताया कि यह शिविर जनहित को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है, ताकि लोग अपनी सेहत के प्रति जागरूक हो सकें। शुगर और कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां आजकल आम हो गई हैं, जिनका समय रहते पता लगना बेहद जरूरी है।

न्यायिक प्रकरणों के कारण बकाया राशि की वसूली की कवायद तेज

❑ माइंस के दस करोड़ से अधिक के माइंस के दस करोड़ से अधिक के बकाया न्यायिक प्रकरणों का गुणावगुण के आधार पर परीक्षण के लिए उच्चस्तरीय समिति ❑ मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा लंबित प्रकरणों को लेकर गंभीर, समीक्षा के दौरान देते रहे हैं निर्देश ❑ न्यायालय के समक्ष विभागीय पक्ष को प्रभावी तरीके से रखा जाएगा

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। न्यायिक प्रकरणों के कारण माइंस विभाग की बकाया राशि की वसूली को लेकर राज्य सरकार गंभीर होने के साथ ही प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण को लेकर कवायद तेज कर दी है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि माइंस विभाग से संबंधित 10 करोड़ रु. से अधिक के बकाया राशि के न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में राजकीय पक्ष को प्रभावी तरीके से रखने के लिए कवायद तेज कर दी है। उन्होंने बताया कि 10 करोड़ से अधिक के न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के गुणावगुण के आधार पर अध्ययन कर समीक्षा करने के लिए अतिरिक्त निदेशक माइंस मुख्यालय की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है। राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी में वित्तीय सलाहकार माइंस विभाग, संयुक्त विधि परामर्शी उदयपुर व जयपुर के साथ ही जयपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर के अतिरिक्त निदेशक माइंस को सदस्य बनाया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 10 करोड़ और इससे अधिक के 50 से अधिक विचाराधीन प्रकरणों में राज्य सरकार की हजारों करोड़ रुपए बकाया चल रहे हैं।

टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजकीय बकाया राशि को लेकर गंभीर होने के साथ ही समय समय पर बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने और न्यायिक प्रकरणों में विभागीय पक्ष को कारगर तरीके से रखने के निर्देश देते रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह समिति 10 करोड़ व इससे अधिक बकाया राशि के सभी प्रकरणों की गुणावगुण के आधार पर परीक्षण करेगी और उन प्रकरणों में न्यायालयों में प्रभावी पेरवी के लिए आवश्यक सुझाव देते हुए अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रेषित करेगी। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों व प्रकरणों में ओआईसी अधिकारियों को भी स्टे प्रकरणों में स्टे हटवाने और अन्य प्रकरणों में राज्य सरकार का पक्ष प्रभावी तरीके से रखते हुए निर्णित कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को निर्णित करवा कर राज्य सरकार की बकाया रेवेन्यू की वसूली की जा सके। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में समय पर जबाव दावा पेश किया जाए और पेशी के समय उपस्थित होकर सरकारी पक्ष को रखते हुए निर्णित करवाये जाये।

गुरुग्राम में आधी रात तक जमा होती रहीं ईवीएम

निगम में 41 .9प्रतिशत मतदान, शहर में बूथ खाली, फर्जी मतदान रोकने के लिए ग्रामीण दिखे एक्टिव

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम में शाम छह बजे मतदान समाप्त हो गया, लेकिन सेक्टर 14 स्थित मतगणना केंद्र पर आधी रात तक पोलिंग पार्टियां आती रहीं। इस बार गुरुग्राम नगर निगम में मतदाताओं की उदासीनता रही और मतदान प्रतिशत 41.9प्रतिशत तक ही सीमित रहा। शहरी इलाकों में सुबह से शाम तक बूथ खाली रहे, जबकि ग्रामीण इलाकों में इक्का-दुक्का बूथों पर ही लाइनें दिखीं। सबसे ज्यादा भीड़ वार्ड एक के नाथूपुर गांव में देखने को मिली। यहां फर्जी मतदान को रोकने के लिए ग्रामीण खुद मतदान केंद्र के अंदर और बाहर निगरानी करते नजर आए। इस वार्ड से लगभग सभी उम्मीदवार शहर के संपन्न परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। डीएलएफ के पॉश इलाके के बीचोंबीच स्थित नाथूपुर गांव के इस मतदान केंद्र पर सुबह 8 बजे से ही लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं और मतदान खत्म होने तक लोग कतार में खड़े नजर आए। गुरुग्राम जिले के पांच निकायों के लिए हुए चुनाव में कुल 5 लाख 3 हजार 978 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इनमें से गुरुग्राम नगर निगम में 377641 मतदाताओं ने वोट डाले।

नहर में शव बह कर आया

जनमार्ग न्यूज

चुनावढ़। चूनावढ़ थाना क्षेत्र के 23 एम एल के खेतों के पास नहर में शुक्रवार को एक क्षत-विक्षत शव मिला। शव मिलने की सूचना से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। मौके पर थाना के हवलदार उदयभान शर्मा दल बल के साथ पहुंचे। पुलिस ने अज्ञात लाश को श्रीगंगानगर जिला अस्पताल की मॉर्चुरी पहुंचाया। यह शव एक महिला का होना प्रतीत हो रहा है फिलहाल अज्ञात शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस अज्ञात लाश की पहचान के प्रयास कर रही है। मृतका की शिनाख्त के लिए लोगों से जानकारी ली गई लेकिन महिला की पहचान नहीं हो पाई है। ऐसे में पुलिस ने महिला के शव को अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है। यह शव एक सडी़ गली अवस्था में मिला है। एक कंकाल नुमा जिसके ऊपर मांस का कोई टुकड़ा नहीं है चेहरे पर मास का कुछ हिस्सा व सिर पर बाल पर कोई पहचान योग्य निशान नजर नही आ रहा। चेहरा नहर के पानी में रहकर पूरी तरह फूलने के कारण पहचान योग्य नहीं है। पुलिस नहर में बहकर आए अज्ञात लाश के मामले में जांच कर रही है।

गुरुग्राम में पति बनकर की महिला से ठगी

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। सेक्टर 56 में हुडा प्लॉट में रहने वाली हिना तेजवानी को इंस्टाग्राम आईडी पर उनके पति हितेश तेजवानी के नाम से एक इंस्टा आईडी से मैसेज आया, जिसमें उनसे यूपीआई के जरिए प्रेम इलेक्ट्रॉनिक्स को 15 हजार रुपए भेजने को कहा गया। उन्होंने इसे अपने पति की आईडी समझकर तुरंत 15 हजार रुपए भेज दिए। कुछ देर बाद जब उन्होंने अपने पति हितेश तेजवानी को फोन करके पूछा, तो उन्होंने बताया कि उन्होंने पैसों के लिए कोई मैसेज नहीं भेजा। तब उन्हें एहसास हुआ कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी की है। दूसरी तरफ मूल रूप से बहादुरगढ़ की रहने वाली गीता कुमारी के साथ ऐसा ही हुआ।

भव्य शोभायात्रा के साथ महोत्सव की शुरुआत

❑ श्रीराम पंचायती बड़ा मंदिर का वार्षिक समारोह ❑ देशभर के अनेक स्थानों से आए संत व श्रद्धालू

जनमार्ग न्यूज

संगरिया। शनिवार को भव्य शोभायात्रा के साथ की गई। कलश उठाए महिलाएं व बालाजी की ध्वजा उठाए राम भक्तों की लम्बी कतार ने पूरे शहर के माहौल को राममय कर दिया। आयोजन में हर आयु वर्ग व समाज के श्रद्धालू शामिल हुए। आचार्य दयानंद शास्त्री के सानिध्य में मंदिर परिसर में ध्वज व कलश पूजन के साथ शुरू हुई शोभायात्रा मुख्य बाजार, राठी चौक, ऋषि आश्रम चौक, पुराना पोस्ट ऑफिस रोड, अग्रसेन मार्केट, राजकीय चिकित्सालय, पुरानी आबादी होते हुए मंदिर परिसर पर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा में देश के अनेक भागों से पधारे संत समाज व श्रद्धालू शामिल हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आचार्य दयानंद शास्त्री ने कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि चारों ओर जारी रामनाम भाव के मध्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्रद्धालू भी मन में रामनाम का भाव अवश्य रखे व लाभ उठावे। उन्होने एक

पुरानी कहावत बताते हुए कहा कि राम राम रटना नहीं तो परे हटना को सब अवश्य पालन करे। राकेश जींदगर व कपिल करवा ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।शोभायात्रा में श्रीनारायण अन्न जल सेवा समिति सहित आधा दर्जन से अधिक सामाजिक संगठन के स्वयंसेवकों ने सेवा दी। पहले दिन मध्यप्रदेश के बजरंग विजय सत्संग मंडल बालाकोट द्वारा ग्यारह दिवसीय अखण्ड श्रीसीताराम संकीर्तन की शुरुआत की गई। दोपहर में मिथिला निवासी श्रीराम महाराज द्वारा काकभुशुण्डी रामायण पाठ, दोपहर बाद संत प्रवचन का आयोजन हुआ। यह रहेंगे कार्यक्रम- महोत्सव में ग्यारह दिवसीय श्रीसीताराम संकीर्तन के साथ, 2 मार्च से 10 मार्च तक सुबह आठ से बारह बजे तक श्रीरामचरित मानस पाठ मिथिला के श्रीराम महाराज द्वारा, दोपहर दो से तीन बजे तक संत प्रवचन, दोपहर तीन से सात बजे तक महामण्डलेश्वर प्रखर महाराज द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन होगा।

राजस्थान मेगा शिक्षक अभिभावक की बैठक आयोजित

रावतसर। पीएम श्री राजकीय शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन उच्च माध्यमिक विद्यालय रावतसर में राजस्थान मेगा शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया इस मेगा पीटीएम में दिनांक 21 व 22 जनवरी को आयोजित गई दक्षता आकलन परीक्षा की प्रगति रिपोर्ट से अभिभावकों को अवगत करवाया गया दक्षता आकलन के अलावा सभी कक्षा अध्यापको द्वाराअपार आईडी बनाने हेतु जनाधार ,आधार में संशोधन करवाने तथा आधार सीडिंग व मानस अभियान के तहत नशा ई शपथ लेने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सत्यदेव राठौड़ ने अभिभावकों को घर पर विद्यार्थियों को नियमित पढ़ने के लिए प्रेरित करने तथा विद्यार्थियों की शिक्षा सुधार के विषय में चर्चा की विद्यार्थियों के साथ श्री मनोज कुमार उपप्राचार्य रमेश कुमार व्याख्याता , सुरेश कुमार,दीपक शर्मा श्री मति अलका, किरण निवाद, सरिता त्यागी, गुलाबों देवी,अजय प्रताप वेदप्रकाश उमेश कुमार विवेक मीणा जयदेव सुमित्रा देवी अध्यापक उपस्थित रहे।

चिंतपूर्णी महाकाली दुर्गा मंदिर में श्री श्याम संध्या का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। श्री श्याम सखा मंडल व महिला मंडल द्वारा आयोजित 21 दिवसीय श्री श्याम सतरंगी फाग महोत्सव के उपलक्ष में चिंतपूर्णी महाकाली दुर्गा मंदिर में श्री श्याम संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान समाजसेवी राजकुमार गर्ग श्रीमती सुशीला गर्ग, वरुण गर्ग, तरुण गर्ग, श्रीमती रजनी गर्ग, मंदिर कमेटी के प्रधान मनोहर लाल कवातड़ा, उप प्रधान अशोक सेतिया, युवा कमेटी प्रधान रोमी बाघला ने श्री श्याम बाबा के दरबार में विधिवत पूजा अर्चना करके जोत प्रज्वलित कर श्री श्याम संध्या का शुभारंभ किया।मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गोविंद राम उपाध्याय, मंडल के पुजारी शास्त्री पवन कुमार ओझा मंत्र उच्चारण के साथ पूजन करवाया। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष शरण पाल सिंह मान, नगर मंडल अध्यक्ष गौरव बलाना, पूर्व विधायक अशोक नागपाल, भाजपा पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, पूर्व पालिका अध्यक्ष काजल छाबड़ा, गुरु पार्षद सुनील छाबड़ा श्याम बाबा की आरती में शामिल हुए। श्री श्याम संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश सागर, पायल सेठिया,करण सोनी, मनीषा स्वामी, अशोक भार्गव, मिताली अरोड़ा सहित ने श्री श्याम बाबा के भजनों का गुणगान किया। इस अवसर पर पूजा छाबड़ा, रजनी मोदी, खुदरा किराना विक्रेता

संघ अध्यक्ष किशोर कुमार गाबा, शिक्षाविद संजीव मदान, समाजसेवी मोनू कालड़ा, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष ललित सिडाना सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

चिंतपूर्णी महाकाली मंदिर के प्रधान मनोहर लाल कवातड़ा, उप प्रधान अशोक सेतिया, सचिव करमचंद मुंजाल, कोषाध्यक्ष सतेद्र मुंजाल,सह सचिव विकी अरोड़ा, वरिष्ठ सदस्य अशोक बतरा, सदा लाल डोडा, युवा कमेटी अध्यक्ष रोमी बाघला, उपाध्यक्ष मनोज बंसल सचिन बंटी बब्बर,सह सचिव मोहित सैनी, जगदीश मुंजाल, राजेंद्र गिल, शक्ति मुंजाल, महिला अध्यक्ष वनिता मुंजाल, उपाध्यक्ष किरण भुवाल, कोषाध्यक्ष निशा कवातड़ा, सचिव सोमा बाघला,सह सचिव ईशा बतरा, वरिष्ठ सदस्य कमलप्रीत कौर ने अतिथियों को श्री श्याम नाम का दुपट्टा पहन कर सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया।

संस्था के संरक्षक पूर्व विधायक अशोक नागपाल सत्यनारायण तावणिया, मंडल अध्यक्ष सोनू बवेजा, सचिन अंकुर लडोईया, सह सचिव अजय कालड़ा, कोषाध्यक्ष धीरज अग्रवाल, प्रभारी अशोक भार्गव, जॉनी नागपाल ने श्याम बाबा की श्री श्याम सखा मंडल के संरक्षक पूर्व विधायक अशोक नागपाल, अध्यक्ष सोनू बवेजा, प्रभारी अशोक भार्गव, सचिव अंकुर लडोइया,सह सचिव अजय कालड़ा, नरेश नागपाल, जॉनी नागपाल ने चिंतपूर्णी महाकाली मंदिर प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी को श्री श्याम नाम का दुपट्टा पहन कर सम्मान प्रतीक देकर के सम्मानित करके आभार प्रकट किया।

हरियाणा का बजट 1 .95 लाख करोड़ होने की संभावना

7 मार्च से शुरू होगा सत्र, बतौर वित्त मंत्री सीएम सैनी का पहला बजट, बैठक बुलाई

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज बजट पर अंतिम चर्चा करेंगे। इसके लिए उन्होंने अपने कैबिनेट के मंत्रियों और पार्टी विधायकों की दो दिवसीय मीटिंग बुलाई है। इस मीटिंग में बजट को लेकर आने वाले सुझावों को सीएम सैनी अपने बजट में शामिल करेंगे। हरियाणा का बजट होली से एक दिन पहले 13 मार्च को पेश होने के आसार हैं। हालांकि इसका फैसला बीएसी की बैठक में ही होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपने दूसरे कार्यकाल में वित्त मंत्री के तौर पर पहला बजट पेश करेंगे। सरकार की ओर से हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र का संभावित शेड्यूल जारी किया जा चुका है। हरियाणा का अगले वित्त वर्ष का बजट 1.95 लाख करोड़ रुपए का हो सकता है। मुख्यमंत्री चूंकि वित्त मंत्री भी हैं, इसलिए उनके निर्देश पर अगले साल का बजट तैयार किया जा रहा है। बजट को लेकर बुलाई गई मीटिंग में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण और डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा को भी इस चर्चा के लिए बुलाया गया है। ष्टरूसैनी ने मंत्रियों समेत सभी को व्यक्तिगत पत्र भेजकर न केवल आमंत्रित किया है। पिछले साल तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बतौर वित्त मंत्री 1.89 लाख करोड़ रुपए का बजट अनुमान पेश किया था। हालांकि, वर्ष 2024-25 के दौरान लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए। इसके कारण आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण विकास कार्यों पर काफी असर पड़ा।

पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिरकत की

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। फ्रेंड्स ऑफ नेचर, मां सरस्वती पुस्तक बैंक और सेवा सहयोग सत्कार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हरदीप सिंह कॉलोनी में स्थित एमएम पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय जिला स्तरीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल संस्थापक दयानंद शर्मा ने की। मुख्य अतिथि डॉ अतुल साहूवाला और विशिष्ट अतिथि एडवोकेट प्रवीण आहलूवालिया रहे। कार्यक्रम में सेवा सहयोग सत्कार फाउंडेशन की सचिव श्रीमती शिल्पी नीतू जिंदल ने प्रकृति संबंधी खेलों और प्रश्नोत्तरी का संयोजन किया। प्रतिभागी विद्यार्थियों में वॉटर बॉटल और पौधे वितरित किए गए।प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सभी को पार्टिसिपेट सर्टिफिकेट दिए गए। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने कार्यक्रम के आयोजन की प्रशंसा की। फ्रेंड्स ऑफ नेचर संस्था अध्यक्ष पुष्पेंद्र स्वामी एडवोकेट ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हर स्कूल में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस जिला स्तरीय कंपटीशन का नाम वन बोतल वन ट्री दिया गया है।सेवा सहयोग सत्कार फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने मंच संचालन करते बताया कि इस तरह के कार्यक्रम लगभग 200 स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में लगभग 20 हजार विद्यार्थियों के भाग लेने और संस्था से लगभग 600 विद्यार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। पर्यावरण और प्रकृति का समाज में संदेश देने वाला यह कार्यक्रम वर्ष भर चलेगा। कार्यक्रम में मैप ऑफ हैप्पीनेस संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट अरमान सेतिया, मां सरस्वती पुस्तक बैंक अध्यक्ष शरद जसूजा के अलावा उक्त संस्थाओं के सदस्यगण एडवोकेट नेहा स्वामी, एडवोकेट प्रहलाद सिंह, एडवोकेट धनवीरसिंह, एडवोकेट नंदिनी, डोलवी, सोनू एडवोकेट, भारत भांभू, एडवोकेट दीपिका, सेवा सहयोग सत्कार फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष डॉ राहुल अग्रवाल, खुशांत, गौरव शर्मा, अर्चना, प्रिया,मोहित, अक्षय अमित और विशाल आदि शामिल हुए।

पुलिस पर क्रिमिनल ने की फायरिंग

बुलेट प्रूफ जैकेट में लगा फायर, नाका तोड़ भागा, पैर में गोली मार बाइक से गिराया बदमाश

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम के मानेसर में एक इनामी बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। एक फायर पुलिस की बुलेट प्रूफ जैकेट में लगा जिससे जवान की जान बच गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। बदमाश के पैर में गोली लगी जिससे वह बाइक से गिर गया। बदमाश चोरी और लूट की कई वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस ने इस पर 20 हजार का इनाम रखा था। घटना शुक्रवार देर रात की पॉलिटेक्निक कॉलेज ह॥-48 रोड की है। गोली से घायल हुए बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

श्री श्याम देव स्कूल का वार्षिक उत्सव मनाया

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। श्री श्याम देव स्कूल भोमपुरा का वार्षिकोत्सव रविवार को मनाया गया, कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती और श्याम बाबा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में हिंदी माध्यम में बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर स्नेहा गोदारा , अंग्रेजी माध्यम में महिमा सोनी को बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर चुना गया ओर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में भांगड़ा, गिद्दा, शिव तांडव, शादी है बर्बादी जैसे कार्यक्रमों ने धूम मचा दी। बच्चों ने धार्मिक, देशभक्ति और सामाजिक पर्यावरण का संदेश देने वाले कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम में वर्षभर की विभिन्न गतिविधियों में अव्वल रहने वाले बच्चे पूजा झुरिया, विनीता गोदारा, निशु ढाका, चंचल छींपा, आरुषि कासनियां, दिव्या गोदारा, निर्मल शर्मा, कोमल शर्मा, चिराग छींपा, डैनी भाकर, यशस्वी। कड़वासरा,प्रिंसी, पुष्पेंद, आर्यन, हरिता, लवीश को हिंदी माध्यम विद्यालय से सम्मानित किया गया। अंग्रेजी माध्यम में अमित शर्मा, प्रतिज्ञा छींपा, रितिका बुरड़क, ऐश्वर्या गोदारा, मनीषा गढ़वाल, शिव भगवान गोदारा, अन्तिमा गोदारा, दीपांशु भाकर, कामना छींपा, निकिता भांभू, गीतांशु गोदारा, अवंतिका बुरड़क, कार्तिका भादू, भूमि छींपा, मानसी जांगू, दिव्या भारी, एंजल गोदारा, इशिता शर्मा, अंशु भारी, हर्ष, तपेश जैन, मयंक शर्मा, धीरज पचार, सानिध्य पूनिया, ज्यांशु बाजीगर, आयुष्मान, गगन, राशि छींपा, हर्षित ढाका, तनुजा सहारण, मानवी शर्मा, निशा कड़वासरा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिनेश तंवर ने बच्चों और अभिभावकों को मानस अभियान के बारे में बताया। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष ने श्री श्याम देव स्कूल के कार्यक्रम ओर अनुशासन की जमकर तारीफ की।

बच्चे गुरु और माता-पिता के आदर्शों को अपनाएं: किरण बिहाणी

● बिहाणी एसडी सीनियर सेकंडरी स्कूल का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। सेठ जीएल. बिहाणी एसडी सीनियर सेकंडरी स्कूल के प्राइमरी सेक्शन का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार समारोह 'स्वरांजलि' सोमवार शाम भामाशाह सुशीलकुमार बिहाणी ऑडिटोरियम में हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती किरण देवी बिहाणी थीं जबकि अध्यक्षता बिहाणी सेकंडरी स्कूल प्रबंध समिति के सचिव घनश्यामदास बिनान्नी ने की। श्रीमती किरणदेवी बिहाणी व घनश्याम बिन्नानी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्जवलन किया। समारोह में अतिथियों को पौधे भेंट किए गए। सर्वप्रथम गणेश वंदना हुई। समन्वयक कंचन स्वामी ने प्रतिवेदन पढ़ा। इसके बाद बच्चों ने कार्टून डांस, वॉलीवुड डांस, मयूर

डांस,गिद्दा तथा संक्षिप्त रामायण की भी आकर्षक प्रस्तुति दी। किरण बिहाणी ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि वे सद् आचरण से अपने गुरु और माता-पिता के आदर्शों को जीवन में अपनाएं। कार्यक्रम के अध्यक्ष घनश्याम बिन्नानी ने कहा कि सेठ गिरधारी लाल बिहाणी की दूरदर्शिता का यह वृक्ष आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है। जिसमें अनेक शिक्षण संस्थाएं संचालित हो रही है इसमें हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे है। उन्होंने कहा कि केवल विद्यालय की बात करें तो इसी सत्र में यानि 2024-25 में 1506 विद्यार्थी अध्यनरत है। बिन्नानी ने बिहाणी शिक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं विधायक जयदीप बिहाणी के शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान की भी सराहना की। समारोह में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक के 13 बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। समारोह में निदेशक राजेंद्र राठी, अकादमिक निदेशक डॉ कविता चौधरी एवं स्कूल स्टाफ भी मौजूद था। पुरस्कार पाने वाले बच्चों में ज्योति, मोहम्मद हारुन, दीपक, अजरुद्दीन अंसारी, विजयपाल वर्मा, इंद्रजीत सिंह, जनकलाल शर्मा, बलवीर सिंह, भूपेंद्र सिंह, चंद्रशेखर दास, धनराज सैनी, सोनूदास शामिल है। मंगलवार शाम को भी वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार समारोह 'स्वरांजलि' का दूसरा चरण होगा।

मकान और जमीन कुर्की के विरोध में धरना

● फाइनेंस कंपनियों पर ज्यादा ब्याज वसूली का आरोप ● किसानों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

जनमार्ग न्यूज।

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में मकानों की कुर्की व जमीनों की नीलामी और फाइनेंस कंपनियों की अवैध वसूली के खिलाफ किसानों ने सोमवार को संयुक्त किसान मोर्चा और अखिल भारतीय किसान सभा के बैनर तले जिला कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदर्शन किया। घेराव-प्रदर्शन से पहले कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना दिया और सभा की। धरनास्थल पर हुई सभा में पूर्व विधायक बलवान पूनिया ने कहा कि फाइनेंस कंपनियों की ओर से मकानों की कुर्की के लिए जिला कलेक्टर से आदेश प्राप्त किए जा रहे हैं। पुलिस मौके पर मौजूद रहकर घरों को कुर्क करवा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि कुर्की पूर्ण रूप से बंद की जाए। इस कुर्की की कार्रवाई के खिलाफ मजबूती से लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज वे चैलेंज करने के लिए आए हैं कि कुर्की पर पूर्ण रूप

से रोक लगाई जाए। अगर कुर्की पर रोक नहीं लगाई गई तो वे बदस्तूर लगाए गए हर ताले को तोड़ेंगे। मंगेज चौधरी ने कहा कि जिले में फाइनेंस कंपनियों की ओर से 90 पैसे से अधिक व 6-7 रुपए सैकड़ा का ब्याज लेकर किसानों-मजदूरों को लूटने का काम किया जा रहा है। जिला कलेक्टर ने अपने एक साल के कार्यकाल के दौरान 40 से अधिक घरों को कुर्क करने का काम किया है। उन्होंने मांग की कि कुर्की पर तुरंत पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। साथ ही जो फाइनेंस कंपनियां 90 पैसे से अधिक ब्याज वसूलती हैं उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। जिले में तुरंत प्रभाव से सरफेसी अधिनियम के तहत किसान की जमीन और किसान के घर की नीलामी पर रोक लगाई जाए। इसके खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

बाट, माप व तोलने के यंत्रों के सत्यापन शिविर 4 से 6 तक

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 एवं इनके अन्तर्गत बने नियमों के तहत यदि किसी व्यक्ति, फर्म, संस्था बाट, माप, तोलने के यंत्रों या मापक यंत्रों का उपयोग करता है, तो उन्हें सत्यापन एवं मुद्रांकन पश्चात ही उपयोग में लिया जा सकता है। ऐसे बाट, माप इत्यादि का निश्चित समय अन्तराल पुन: सत्यापन व मुद्रांकन करवाया जाना अनिवार्य है। इसके अभाव में असत्यापित बाट, माप का उपयोग करना दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आता है। विधिक माप विज्ञान अधिकारी अमित कुमार चौधरी ने बताया कि बाट, माप, तोलने के यंत्रों या मापक यंत्रों के सत्यापन/पुन: सत्यापन हेतु विभाग द्वारा शिविर का आयोजन अनूपगढ़ में 4 मार्च से 6 मार्च 2025 तक किया जायेगा।

जमीन के नीचे मिली 860 लीटर लाहन

● पुलिस और एक्साइज विभाग की रेड ● शराब बनाने का सामान जब्त

जनमार्ग न्यूज।

फाजिल्का। फाजिल्का में जलालाबाद के गांव धुनकिया में पुलिस और एक्साइज विभाग द्वारा रेड की गई है। इस दौरान खेत व अन्य जगह छुपा कर रखी करीब 800 लीटर अवैध लाहन बरामद की गई है। जिसे नष्ट कर दिया गया। इसके साथ ही बरामद चालू भट्ठी सहित अन्य सामान भी जब्त कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक खेत में जमीन के नीचे करीब 18 डिब्बों में बंद 360 लीटर अवैध शराब दबा रखी थी। जमीन के नीचे ही डिग्गी बनाकर करीब 500 लीटर अवैध शराब लाहन छिपाई गई, जिसे नष्ट कर दिया गया द्य इसके साथ ही शराब को तैयार करने के लिए लगाई गई चालू भट्ठी व अन्य सामान भी बरामद हुआ है, जिसे जब्त कर लिया गया है। पुलिस और एक्साइज विभाग द्वारा अवैध शराब के कारोबार के

खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिसके तहत मुखबर खास द्वारा दी गई सूचना के आधार पर गांव धुनकिया में रेड की गई।

फतूही में युवक की हत्या का प्रयास

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हिंदूमलकोट थाना क्षेत्र के गांव फतूही में एक युवक की हत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार विजय पुत्र श्योचंद द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर महेंद्र, उसके भाई राकेश तथा एक अन्य रवि पुत्र गुरमेल सिंह पर जानलेवा हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार विजय ने बताया है कि परसों शनिवार को उक्त आरोपी उसके भाई पवन के घर में उसकी नाबालिक बेटी से गाली गलौज कर रहे थे। पता चलने पर वह अपने भाई पवन के घर गया।

होटल में टोल नाका कर्मी की मौत

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। नई मंडी घड़साना के एक होटल में रात्रि को ठहरे एक युवक की मौत हो गई। घटना की जांच कर रहे एएसआई भोलूराम मृतक की पहचान मनीष बिश्नोई (32) निवासी चक 18-एलएम थाना नई मंडी घड़साना के रूप में हुई है। वह चूरू-सीकर के मध्य एक टोल नाका पर काम करता था। मनीष परसों शनिवार देर शाम को अपने गांव जाने के लिए घड़साना आया था, लेकिन देर हो जाने के कारण वह घडसाना में ही रुक गया। उसने घर वालों को फोन कर बताया कि वह अपने एक दोस्त गोविंद के साथ घडसाना में शिवम होटल में रात्रि को रुकेगा और सुबह गांव आ जाएगा। जांच अधिकारी के अनुसार गोविंद को शनिवार रात्रि एक विवाह समारोह में जाना था। वह विवाह समारोह से देर रात को होटल के कमरे में आया और सुबह 6 बजे वह लूणकरणसर चला गयाञ्जाते हुए उसने मनीष को नहीं उठाया। गोविंद ने मनीष को सोया हुआ समझा। वह होटल के कमरे का गेट वैसे ही बंद कर चला गया। कुछ देर बाद होटल के कर्मचारियों को कमरे में सोए हुए मनीष पर शक हुआ। होटल कर्मचारियों की सूचना पर वह मौके पर गए तो मनीष की मृत्यु हो चुकी थी। सूचना देने पर उसके परिवारजन घटनास्थल पर पहुंचे। मौके की कार्यवाही के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया। परिवार वालों से पता चला कि मनीष नशा करता था। वह अविवाहित था।उसके पिता देवीलाल बिश्नोई द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज की गई है। पोस्टमार्टम होने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी गई।

डेढ़ महीने तक परिवर्तित मार्ग से चलेगी श्रीगंगानगर-बांद्रा ट्रेन

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जयपुर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है।इस कार्य के दौरान जयपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 2 व 3 पर एयर कोनकोर्स निर्माण कार्य के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इसके चलते गाडी संख्या 14701, श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस रेलसेवा 16 मार्च से 30 अप्रेल तक (46 ट्रिप) श्रीगंगानगर से प्रस्थान करेगी, वह परिवर्तित मार्ग रींगस-फुलेरा होकर संचालित होगी। अर्थात यह ट्रेन जयपुर न जाकर रींगस से सीधी फुलेरा होते हुए बांद्रा टर्मिनल चली जाएगी।वापसी में भी गाडी संख्या 14702, बान्द्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर रेलसेवा 16 मखर्च से 30 अप्रेल तक (46 ट्रिप) बान्द्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी, वह रेलसेवा जयपुर न जाकर परिवर्तित मार्ग फुलेरा-रींगस होकर संचालित होगी एवं परिवर्तित मार्ग में रेनवाल स्टेशन पर ठहराव करेगी।

बीकानेर के नामी ज्वैलर को जेल भेजा

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। पुलिस ने बीकानेर के एक नामी ज्वैलर को चैक अनादरण के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोनगिरी कुंआ निवासी हाल मुरलीधर व्यास कॉलोनी निवासी ज्वैलर बजरंग सोनी के खिलाफ चैक अनादरण के एक मामले में श्रीडूंगरगढ़ एसीजेएम न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के कारण उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के लिए आवेदन 9 तक

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा प्रतिभागी माय भारत पोर्टल पर 9 मार्च 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। जिला युवा अधिकारी भूपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह कार्यक्रम जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा। प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद 1 मिनट का वीडियो अपलोड करना होगा, जिसका विषय आपकी दृष्टि में विकसित भारत का क्या अर्थ है इस विषय पर आने वाले वीडियो में से 150 उत्कृष्ट विडिओ का चयन किया जाएगा। इसके बाद 150 प्रतिभागियों को नोडल जिला महाविद्यालय में ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' विषय पर विचार रखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतिभागियों में से श्रेष्ट 10 प्रतिभागियों का चयन निर्णायक मंडल द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन विधानसभा जयपुर में किया जाएगा और राज्य स्तरीय कार्यक्रम में से तीन प्रतिभागियों का राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम के लिए चयन किया जाएगा।

थाने में सुनवाई नहीं होने पर युवक पानी की टंकी पर चढ़ा, समझा बुझाकर नीचे उतारा

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जिले के सादुलशहर पुलिस थाना में भूखंड पर कब्जे के विवाद में मारपीट होने के एक मामले की सुनवाई नहीं होने पर व्यथित होकर पीडति युवक आज सुबह वाटर वर्क्स के ओवरहेड टैंक टंकी पर चढ़ गया। सुबह सवेरे युवक के पानी की टंकी पर चढ़ने का पता चलने पर लोग इकट्ठा हो गए। कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए। जानकारी के अनुसार सादुलशहर में पंचायत समिति ऑफिस के नजदीक का निवासी जगदीश नामक यह युवक थाने में उसकी सुनवाई नहीं होने के कारण व्यथित होकर पानी की टंकी पर चढ़ गया। युवक जगदीश के मुताबिक विगत 22 फरवरी को पंचायत समिति के

नजदीक उसके भूखंड पर कब्जे को लेकर विवाद हो गया था। कब्जा करने वालों ने उसे मारपीट की, जिस पर वह थाने में गया तो पुलिस वालों ने सुनाई नहीं की बल्कि मारपीट कर उसे ही रात भर थाने में रखा। पुलिस की मारपीट से उसके चोटें भी लगीं। जगदीश ने आरोप लगाया कि पुलिस ने भूखंड विवाद को लेकर मारपीट करने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने से पहले उससे 10 हजार रुपए की मांग भी की। हालांकि पुलिस इन सारे आरोपों से पल्ला झाड़ रही है। पुलिस का कहना है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार जिस भूखंड को लेकर जगदीश का दूसरे पक्ष से विवाद हुआ वह नगर पालिका की जमीन है। जगदीश का रिश्ते में अपने किसी भाई के साथ ही इस भूखंड को लेकर विवाद चल रहा है। जगदीश का आरोप है की उसका भाई भूखंड पर कब्जा करना चाहता है। इसीलिए उसे मारपीट की और उसे भूखंड से बेदखल करने का प्रयास किया। वह फरियाद लेकर थाने में गया तो पुलिस ने सुनवाई नहीं की। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने उसे समझा बूझकर नीचे उतार लिया।

किशोरी का अपहरण करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय सदर थाना पुलिस ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सीआई सुभाष बिश्नोई ने बताया कि मुरारी कॉलोनी निवासी विकास नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है जो कि चार दिन पूर्व एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर नई दिल्ली ले गया था। किशोरी के परिवारजन द्वारा मुकदमा दर्ज करवाए जाने पर जांच कर रहे हवलदार झाबरमल ने विकास को पीछा कर दिल्ली में काबू कर लिया। किशोरी उसके साथ ही थी,जिसे दस्तयाब किया गया। थाना प्रभारी के मुताबिक किशोरी को बाल कल्याण समिति(सीडब्ल्यूसी)के समक्ष पेश करने पर मां-बाप के सुपुर्द कर दिया गया। किशोरी ने बताया कि उसके साथ विकास ने कोई गलत हरकत नहीं की। उसने अपना मेडिकल चेकअप करवाने से भी इंकार कर दिया। विकास को कल रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया आज उसे अदालत में पेश किया गया। वह मजदूरी करता है।

सूने मकान से 11 तोले सोने के जेवरात और साढ़े आठ लाख की नगदी चोरी

● पड़ोसियों और रिश्तेदारों को घर पर नजर रखने का कहकर परिवार जयपुर गया था, फिर भी हो गई चोरी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। पुरानी आबादी के उदाराम चौक क्षेत्र में बाबा खेतरपाल मंदिर के सामने वाली गली में एक सूने मकान में 28 फरवरी की रात से 10 बजे से 2 मार्च की सुबह 4.30 बजे के दौरान चोरी की बड़ी वारदात हो गई। इस गली में एक मकान सूना था। मकान में रहने वाला सुरेंद्र कुम्हार सिख (41) का परिवार अड़ोस-पड़ोस के लोगों तथा अपने रिश्तेदारों को मकान पर नजर रखने का कहकर 28 फरवरी की रात लगभग 10 बजे जयपुर गया था। जयपुर में सुरेंद्रसिंह का छोटा भाई संतोष सिंह रहता है, जिसकी बच्ची का जन्मदिन था। सुरेंद्रसिंह परिवार सहित जयपुर से 2 मार्च को सुबह 4.30 बजे वापस आया तो मकान के ताले टूटे हुए थे। अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। सभी कमरों और अलमारियों के ताले तथा उनके अंदर के लाकर भी टूटे हुए थे। सुरेंद्रसिंह

की सूचना पर पुरानी आबादी थाना से एएसआई सुंदरलाल तुरंत मौके पर पहुंचे। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) और एमओबी की टीमों को भी घटनास्थल पर बुला लिया गया। पुलिस द्वारा जांच पड़ताल करने और संदिग्ध चोरों के फिंगरप्रिंट वह फुटप्रिंट उठाने की कार्यवाही करने के पश्चात सुरेंद्रसिंह के परिवार ने कीमती सामान को संभाला तो लगभग 11 तोले सोने के जेवरात तथा साढे आठ लाख से अधिक की नगदी नहीं मिली। पुलिस को रिपोर्ट देते हुए सुरेंद्रसिंह ने बताया कि एक लॉकर में रखे 13 हजार रुपए, दो तोला सोने का हार डेढ़ तोला सोने का मंगलसूत्र, आधा तोला सोने के चार नोज पिन, आधा तोला सोने का एक मनका, एक अटैची में रखी दो तोला सोने की चेन, एक तोले सोने का लॉकेट, आधा तोला सोने की हनुमान की मूर्ति, एक तोला सोने का एक अन्य लॉकेट, 10 ग्राम सोने की तीन नोजपिन, 8 ग्राम सोने की एक अंगूठी, दो तोला चांदी के चार कड़े, एक चांदी का सिक्का, स्टोर रूम में रख लोहे की अटैची से 6 लाख रुपए तथा एक अन्य अटैची से अढाई लाख रुपए गायब हैं। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र सिंह के घर के आसपास कहीं सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं।

सड़क हादसे में सेना के जवान की मौत

● नीलगाय को बचाने में कार पेड़ से टकराई

जनमार्ग न्यूज।

चूरू। चूरू के सदर थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। भारतीय सेना में नायक के पद पर तैनात जवान की कार दुर्घटना में मौत हो गई। वह छुटि्टयों पर गांव आया हुआ था। जम्मू-कश्मीर के डोडा में तैनात धर्मेन्द्र सिंह (30) छुट्टी पर घर आया हुआ था। रविवार को वह अपने ससुराल घंटेल गया था। वापसी के दौरान घंटेल और गाजसर के बीच उनकी कार के सामने अचानक नीलगाय आ गई। नीलगाय को बचाने के प्रयास में कार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में धर्मेन्द्र के साथ कार में सवार भानुप्रताप सिंह भी घायल हो गया। दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में लाया गया। डॉक्टरों ने धर्मेन्द्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि भानुप्रताप को प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती कर लिया गया। रामगढ़ के गरण्डवा निवासी सालम सिंह ने पुलिस को बताया कि मृतक धर्मेन्द्र उनका भाई था। सदर पुलिस ने शव को मॉर्च्युरी में रखवाया और सोमवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692